सुविचार

सोच का ही फ़र्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नही बल्कि मज़बूत बनाने आती हैं

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक:- नागेश नरवरिया

पेज -7

वर्ष 6, अंक-70 | भोपाल, शुक्रवार 8 अक्टूबर 2021 | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

व्यक्ति अगर बैंक से डिफॉल्टर हो तब क्या सजा का प्रावधान होता है जानिए/code of civil procedure-

होशंगाबाद। बहुत से व्यक्ति ऐसे होते हैं जो बैंक से कर्ज ले लेते हैं या कोई अन्य व्यक्ति से ब्याज में पैसे कर्ज पर ले लेते हैं,तब ऐसे व्यक्ति उधार के पैसो को नहीं चुका पाते हैं या डिफॉल्टर हो जाते हैं। तब उनका मामला सिविल न्यायालय में दायर किया जाता है सिविल न्यायालय ऐसे व्यक्ति को वादी की रकम लौटने के लिए डिक्री पारित करता है लेकिन व्यक्ति, वादी की रकम नहीं लौटता है तब उस व्यक्ति को सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 58 के अंतर्गत निम्न शर्तो के आधीन जेल में रखा जाएगा जानिए।

सिविल प्रक्रिया संहिता,1908 की धारा-58 की परिभाषा-

1. अगर किसी व्यक्ति की भुगतान की रकम 5000 (पाँच हजार) रुपए से अधिक है तब उसे तीन माह की अवधि तक जेल में रखा जाएगा।
2. भुगतान की रकम दो हजार से अधिक लेकिन पाँच हज़ार से कम है तब उसे 6 सप्ताह की अवधि तक जेल में रखा जाएगा।
3. अगर भुगतान की रकम दो हजार से कम की है तब ऐसे व्यक्ति को जेल में बंदी बनाकर रखने के लिए सिविल न्यायालय द्वारा कोई आदेश नहीं दिया जाएगा।?

व्यक्ति को कब जेल में बंद करने से पहले छोड़ दिया जाएगा जानिए-

1. डिफॉल्टर व्यक्ति जेल में पहुँचने के बाद जेल अधीक्षक को कर्ज का भुगतान कर दे तब।
2. या आदेश के बाद तुरंत बाद उस रकम को चुका देता है तब।
3. या डिक्रीधारी की प्रार्थना पर अर्थात शिकायतकर्ता के अनुरोध पर व्यक्ति को जेल में बंदी बनाकर नहीं रखा जा सकता है।

■ लेखक बी.आर. अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में अखिल भारतीय जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने निकाली प्रभात फेरी एवं जागरूकता कार्यक्रम मनाया

होशंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में प्रातः प्रभात फेरी निकली गई,जिसमे पैनल अभिवक्ता, पैरालीगल वालेंटियर एवं शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इसके बाद शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में अखिल भारतीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

युवा प्रदेश ■ न्यूज नेटवर्क

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 2 अक्टूबर से 14 नवंबर 2021तक आजादी का अमृत महोत्सव समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा मनाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में आज जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया,जिसमें अमृत महोत्सव एवं मध्यस्थता विषय पर अपने विचार रखते हुए कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश देवनारायण शुक्ल द्वारा बताया गया कि आज के समय में ज्ञान ही अमृत के समान हैं तथा विवाद को क्षमा के द्वारा ही शीघ्र समाप्त किया जा सकता है एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पक्षकारों के मध्य सुलह कराने का एक सर्वोत्तम मंच हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रिवेंद्र कुमार सेन द्वारा विवाद विहीन ग्राम, किशोर शिक्षा, निःशुल्क विधिक सहायता आदि विषयों पर प्रकाश डाला गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सिराज अली द्वारा घरेलू हिंसा के विषय को बताया गया। जिला पंचायत सी.ई.ओ. मनोज सरियाम द्वारा बताया गया कि अमृत महोत्सव मनाने का हमारा मुख्य उद्देश्य यह है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को आजादी की लड़ाई लड़ने वाली हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान के बारे मे बता सके। ए.डी.एम श्री चौहान जी.पी.माली द्वारा बताया गया कि हमे महात्मा गांधी के दिये गए मानवता के संदेश को हमेशा याद रखना चाहिए और हमेशा जरूरतमंद की मदद के लिए आगे रहना चाहिए। इस जागरूकता कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय के श्री देवनारायण शुक्ल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अधिकारी श्री प्रिवेंद्र कुमार सेन, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री सिराज अली, अपर कलेक्टर श्री जी पी माली, ष्टश्वह्र जिला पंचायत मनोज सरियाम, स्ष्ठरू फरहीन खान, अध्यक्ष जिला अभिभाषक संघ प्रदीप चौबे, शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. श्री बीसी जोशी, प्राध्यापक डॉ. अमिता जोशी, विजय विभाग से प्राध्यापक डॉ. कल्पना भारद्वाज, डॉ. श्री तरुण मलिक, श्री अभिषेक सिंह, श्री शिवाकांत मौर्य, श्री राजदीप भदौरिया, विधि विभाग के छात्र-छात्राएं एवं पैरालीगल वालेंटियर्स सम्मिलित हुए।

- पत्रकार बीआर अहिरवार (युवा प्रदेश होशंगाबाद)

मध-निषेध विषय पर ऑनलाइन सेमिनार द्वारा युवा छात्र - छात्राओं को नशे से जीवन बचाने का दिया संदेश

युवा प्रदेश ■ न्यूज नेटवर्क

होशंगाबाद। शासकीय नर्मदा महाविद्यालय होशंगाबाद की राष्ट्रीय सेवा योजना के बालिका एवं बालक इकाइयों द्वारा महात्मा गांधी जी की 152 वी जयंती के अवसर पर मध निषेध विषय पर ऑनलाइन सेमिनार द्वारा युवा छात्र छात्राओं को नशे से जीवन बचाने का संदेश दिया।

प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने युवा विद्यार्थियों को नशे से बचने के उपाय बताएं तथा नशे से मनुष्य मनुष्य नहीं रहता उसकी मानसिक स्थिति को किस तरह सशक्त बनाए। इस ऑनलाइन वेबीनार का उद्देश्य एवं लक्ष्य युवा शक्ति को मध निषेध की ओर उन्मुख करना है। व्याख्यान दिया - डॉ राजेश रघुवंशी प्राचार्य शासकीय कुसुम महाविद्यालय सिवनी मालवा ने युवा छात्र छात्राओं को सशक्त मस्तिष्क व सबल शरीर स्वस्थ सोच विकसित करने की प्रेरणा देते हुए कहा वर्तमान में सशक्त युवा, सशक्त भारत के निर्माता होंगे। डॉ एस के अग्रवाल विभाग अध्यक्ष राजनीति विज्ञान शासकीय कुसुम महाविद्यालय सिवनी मालवा ने संयम, विवेकशीलता, योग, ध्यान से युवाओं को मध निषेध से मानव जीवन की रक्षा करने की प्रेरणा दी। डॉ बी एल राय प्राध्यापक भूगोल ने विभिन्न मादक पदार्थों व उनके दुष्परिणामों से बचाव की उपयोगी जानकारी दी। डॉ कल्पना विश्वास सहायक प्राध्यापक इतिहास ने युवा शक्ति को मादक पदार्थों के प्रयोग से बचने की आवश्यकता की विवेचना की। डॉ संजय गार्गव प्रभारी प्राचार्य एन ई एस कॉलेज होशंगाबाद वेद पुराण, गीता के उदाहरणों की सारगर्भित व्याख्या करते हुए संयमित,अनुशासित व मर्यादा पूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा दी। डॉ अरविंद श्रीवास्तव ने भी विषय पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ इरा वर्मा ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ एस के दिवाकर ने किया।

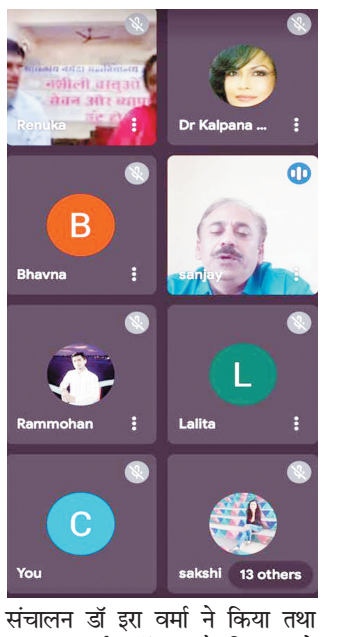

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में न्यायाधीश पुरुषेंद्र कौरव ने ग्रहण की शपथ

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के साउथ ब्लाक सभागार में गरिमामय वर्चुअल समारोह के माध्यम से नव नियुक्त न्यायाधीश पुरुषेंद्र कौरव ने शपथ ग्रहण की। सर्वप्रथम रजिस्ट्रार जनरल से नियुक्ति पत्र का वाचन किया। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश मोहम्मद रफीक ने शपथ ग्रहण कराई। इस दौरान हाई कोर्ट की मुख्यपीठ जबलपुर व खंडपीठ इंदौर व ग्वालियर के सभी न्यायाधीश कार्यक्रम से आनलाइन जुड़े। अतिरिक्त महाधिवक्ता आरके वर्मा, हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के अध्यक्ष रमन पटेल, एमपी स्टेट बार कौंसिल के प्रवक्ता राधेलाल गुप्ता, हाई कोर्ट एडवोकेट्स बार के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज शर्मा, असिस्टेंट सालिसिटर जनरल जिनेंद्र कुमार जैन, सीनियर एडवोकेट्स कौंसिल के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता आरपी अग्रवाल, इंदौर हाई कोर्ट बार अध्यक्ष सूरज शर्मा इंदौर, ग्वालियर हाई कोर्ट बार के अध्यक्ष एमपीएस रघुवंशी ने नवागत न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कौरव के व्यक्तित्व-कृतित्व को रेखांकित किया।

अनुबंध पत्र,विक्रय पत्र, कोलीनामा,वसीयत, दान पत्र, शपथ पत्र, सिविल एवं क्रिमिनल

- भगवान सिंह अहिरवार (एडवोकेट)
मोबाइल नं.-9993315458

दुर्गा पूजा और दीपावली पर रीवा से चलेगी विशेष ट्रेन

जबलपुर। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए अब नवरात्र और दिवाली पर स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी कर ली है। दुर्गा पूजा एवं दीपावाली के अवसर पर भोपाल एवं रीवा के लोगों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा जबलपुर एवं भोपाल मंडल के बीच स्पेशल दुर्गा पूजा, दिवाली स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। इस संबंध में मंडल वाणिज्य प्रबंधक देवेश कुमार सोनी ने बताया कि यह दुर्गा पूजा एवं दीपावली एक्सप्रेस ट्रेन रीवा स्टेशन से आगामी 12 एवं 13 अक्टूबर के बीच 02 ट्रिप चलेगी तथा 03 ट्रिप 11, 12 एवं 13 अक्टूबर को हबीबगंज से रीवा जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

स्कूलों में दशहरे पर तीन और दीपावली पर पांच दिन की छुट्टी

भोपाल। प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में दशहरा पर्व पर तीन दिन और दीपावली पर पांच दिन की छुट्टी रहेगी। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने गुरुवार को आदेश जारी कर दिया है। विभाग ने छह दिन की शीतकालीन छुट्टी और डेढ़ महीने की ग्रीष्मकालीन छुट्टी की भी घोषणा कर दी है। विभाग के आदेश के मुताबिक दशहरा पर्व पर 14 से 16 अक्टूबर, दीपावली पर्व पर दो से छह नवंबर तक छुट्टी रहेगी। जबकि शीतकालीन अवकाश 25 से 31 दिसंबर 2021 तक रहेगा। विभाग ने यह भी साफ कर दिया है कि विद्यार्थियों को एक मई से 16 जून 2022 तक ग्रीष्मकालीन छुट्टी मिलेगी। जबकि शिक्षकों को छह दिन कम (एक मई से नौ जून 2022 तक) छुट्टी मिलेगी। आज उद्योगों की जरूरत के हिसाब से कौशल विकसित करना अनिवार्य है। कृषि आधारित कौशल विकास सबसे अधिक मांग वाले पाठ्यक्रमों में से एक है। यह बात गुरुवार को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में %स्किल डेवलपमेंट-लर्निंग्स फ्राम हरियाणा माडलफ़ विषय पर व्याख्यान देते हुए हरियाणा के श्री विश्वकर्मा स्किल्स विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू ने कही।

कुएं में मिला किशोर का शव, ट्रेन से कटा युवक

file photo

भोपाल। नजीराबाद थाना पुलिस ने इलाके के एक गांव में कुएं से किशोर का शव बरामद किया है। बताया जा रहा है कि वह मिर्गी रोग से पीड़ित था। आशंका है कि कुएं पर पानी भरने के दौरान मिर्गी का दौरा पड़ने से वह कुएं में गिर गया होगा। उधर मिसरोद इलाके में एक युवक की ट्रेन के चपेट में आने से मौत हो गई। नजीराबाद थाना पुलिस के मुताबिक अभिषेक पुत्र शोभाराम (16) ग्राम झिरनिया छापरी में परिवार के साथ रहता था। दसवीं पास करने के बाद अभिषेक ने पढ़ाई छोड़ दी थी।

रेत वाहनों की आवाजाही पर नौ दिनों तक प्रतिबंध

नर्मदापुरम(होशंगाबाद)। जिला प्रशासन ने रेत के वाहनों की आवाजाही पर 15 अक्टूबर यानी दशहरा तक प्रतिबंध लगा दिया है। करीब नौ दिनों तक रेत के वाहन न तो शहर से निकलेंगे और न ही जिले की सीमाओं पर दिखेंगे। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने गुरुवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। नियम को तोड़ने वाले वाहन चालक पर धारा 188 के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवरात्र के दौरान लोगों को किसी तरह की दिक्कत न हो, इसी के चलते यह कदम उठाया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि जिले से नवरात्र में दशहरों तक दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान चारों ओर से मुख्य मार्गों पर सलकनपुर देवीधाम जाने वाले पद यात्रियों और श्रद्धालुओं का भारी संख्या में आवागमन होता है। हाइवा आदि वाहनों से दुर्घटना की संभावना होती है। लोक शांति व्यवस्था बनाने के लिए आदेश जरी किए गए हैं। जिले में स्थित रेत अन्य खनिज खदानों व स्टाकों से परिवहन करने वाले भारी वाहनों ट्रेक्टर ट्राली, ट्रक, डंपर, हाइवा एवं एलपी का आवागमन होने से असुविधा को ध्यान में रखते हुए आवागमन प्रतिबंधित किया गया है। उक्त आदेश का उल्लंघन कर्रवाई की श्रेणी में आता है। आदेश की प्रति एसपी, एसडीएम, खनिज अधिकारी व रेत ठेकेदार को भी भेजी गई है। रेत के वाहनों से कई बाद पैदल श्रद्धालु हादसे का शिकार हो चुके हैं।

कोरोना त्रासदी से निपटने में दुनिया ने देखा भारतीयों का साहस - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि कोविड संक्रमण के रूप में आयी सौ साल की सबसे बड़ी त्रासदी का सामना भारतीयों ने जिस बहादुरी से किया उसे दुनिया ने बहुत बारीकी से देखा है।

कोरोना संक्रमण आरंभ होने के समय एक टेस्टिंग लैब थी, जिसे बढ़ाकर 3 हजार लैब का नेटवर्क बनाना, देश और दुनिया को मेड इन इंडिया कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराना, व्यापक स्तर पर टीकाकरण महाअभियान का संचालन और दूर-दराज के क्षेत्रों तक वेंटीलेटर की उपलब्धता सुनिश्चित करना हमारी एकजुटता और सेवा-भाव का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एम्स ऋषिकेश से 35 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में स्थापित 35 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट्स देश को वर्चुअली लोकार्पित किए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भोपाल स्थित जे.पी. अस्पताल परिसर में प्रधानमंत्री केयर फंड से निर्मित दो ऑक्सीजन प्लांट का भी वर्चुअल लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जे.पी. अस्पताल परिसर में स्थापित दोनों ऑक्सीजन प्लांट का बटन दबाकर शुभारंभ किया।

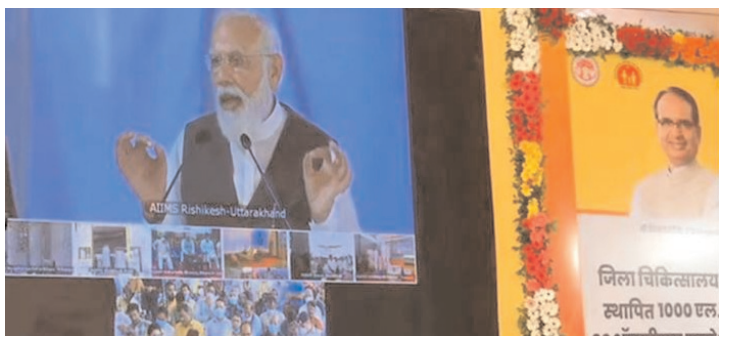

देश में एक लाख 30 हजार से ज्यादा टीकाकरण केन्द्र स्थापित

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश में 93 करोड़ कोरोना वैक्सीन डोज़ लगाए जा चुके हैं। जल्द ही हम 100 करोड़ के आँकड़े को पार कर जाएँगे। देश में एक लाख 30 हजार से ज्यादा टीकाकरण केन्द्र स्थापित किए गए हैं। हमने कोविन प्लेटफार्म से दुनिया को राह दिखाई कि शत-प्रतिशत टीकाकरण की ओर किस प्रकार अग्रसर हुआ जा सकता है।

22 एम्स स्थापित होंगे

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश के अस्पताल पहले से अधिक सक्षम हों, इस दिशा में निरंतर कार्य जारी है। प्रत्येक राज्य तक एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) को पहुँचाने का प्रयास हो रहा है।

दस गुना बढ़ाया ऑक्सीजन उत्पादनः प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कोरोना संक्रमण से निपटने में देश की अधिक जनसंख्या और भौगोलिक विविधता बड़ी चुनौती थी। इस चुनौती का भारत की जनता ने मिलकर सामना किया और क्षमताएँ विकसित की। देश में कोरोना संक्रमण से पहले 900 मीट्रिक टन लिक्विड ऑक्सीजन का उत्पादन होता था,?जिसे माँग बढ़ने पर दस गुना बढ़ाने में हम सफल रहे। यह विश्व के लिए अकल्पनीय है।

देश का हर जिला पी.एम. केयर से बने ऑक्सीजन प्लांट्स से लैसः प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा?कि ऑक्सीजन का परिवहन भी चुनौतीपूर्ण था। ऑक्सीजन का उत्पादन पूर्वी भारत में होता है, जबकि कोरोना संक्रमण के काल में उत्तर भारत और देश के पश्चिमी भागों में ऑक्सीजन की माँग तुलनात्मक रूप से अधिक थी।

MP में 27% OBC आरक्षण देने की तैयारी

सरकारी कर्मचारियों की जातिगत जनगणना पूरी; सरकार ने पता किया किस वर्ग के कितने अधिकारी-कर्मचारी

भोपाल। केंद्र सरकार भले ही जातिगत जनगणना कराने से कतरा रही है, लेकिन मध्यप्रदेश में जातिगत आधार पर कर्मचारियों की गणना पूरी हो गई है। दरअसल नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग कोटा 14 से बढ़ाकर 27 फीसदी करने का मामला अभी हाईकोर्ट में हैं। जिन याचिकाओं पर रोक लगी है उन्हें छोड़कर बाकी में 27 फीसदी आरक्षण की प्रक्रिया सरकार ने शुरू कर दी है। सरकार अब यह जानना चाह रही है कि शासकीय कार्यालयों में OBC वर्ग के कितने कर्मचारी कार्यरत हैं और कितने पद अभी खाली हैं। इसके लिए बाकायदा सभी कर्मचारियों की गिनती कराई गई है। इसमें पता चला है कि प्रदेश में सितंबर 2021 की स्थिति में कुल 3,19,144 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें से OBC के 42055 हैं। जबकि, 2018 की गणना के हिसाब से प्रदेश में 4,52,139 पद स्वीकृत थे, जिन पर नियमित कर्मचारी कार्यरत थे। यानी अभी प्रदेश में 1,32,995 पद खाली हैं।

OBC में अभी 66 जातियां, कतार अभी और लंबी होगी

मध्यप्रदेश में केंद्रीय सूची के अनुसार OBC में 66 जातियां हैं, जिनकी उपजातियों की संख्या करीब 175 है। हाल ही में राज्य सरकारों को

OBC वर्ग में शामिल जातियों की संख्या बढ़ाने के अधिकार दिए हैं। इसके बाद अन्य जातियों को भी पिछड़ा वर्ग में शामिल किए जाने की कवायद की जा रही है। प्रदेश में OBC का 14 प्रतिशत से आरक्षण बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर दिया गया है। राज्य सरकार द्वारा 2 सितंबर को OBC के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को कोर्ट में चुनौती दी गई है, जिस पर आगामी 25 अक्टूबर को सुनवाई होना है।

सरकार पता कर रही किस वर्ग के कितने अधिकारी-कर्मचारी

मध्यप्रदेश में आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों की संख्या अनारक्षित से ज्यादा हो गई है। वर्तमान में कार्यरत कुल 319144 में से 165944 कर्मचारी आरक्षित और 153200 के करीब कर्मचारी अनारक्षित वर्ग से हैं। इस संख्या के हिसाब से प्रदेश में 53 फीसदी से ज्यादा कर्मचारी आरक्षित वर्ग के हैं और 47 प्रतिशत अनारक्षित वर्ग से। प्रदेश में ह्ल्क्ष्ट को 27त्न आरक्षण लागू होने से कुल आरक्षण 63त्न हो गया है। इसमें 27त्न पिछड़ा वर्ग, 20त्न अनुसूचित जनजाति, 16त्न अनुसूचित जाति को दिया जा रहा है। इस तरह प्रदेश में आरक्षण 63त्न हो गया है।

6% का अंतरः आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों की संख्या अनारक्षित से ज्यादा

प्रदेश में OBC वर्ग के जो कर्मचारी कार्यरत हैं, उनमें अहीर, कुर्मी, कुनबी, काछी, कुशवाह, दांगी, मेर, शाक्या, सोनकर, माली, सैनी, लखेरा, किरार, धाकड़, कलार, गड़रिया, कुम्हार, प्रजापति, गाडरी, बृजवासी, गोस्वामी, गुर्जर, लुहार, जाधव, यादव, राउत, थेटवार, बैरागी, असारा, बंजारा, बंजारी, बरई, चौरसिया, तमोली, कुमावत, विश्वकर्मा, वासुदेव, गोंधली, भाट, चारन, सावली, छीपा, खतरी, भोई, कहार, मल्लाह, दर्जी, नामदेव, धोबी, मेवाती, कडेरे, कोस्ता, माला, गरवार, ढोली, जोगीनाथ, नाथजोगी, सोनार, सुनार, खाती, नोनिया, नाई, पटवा, लोधी, लोधा, लोध, तेली (राठौर, साहू), मानकर, कोटवार जाति शामिल हैं।

सेल्स डायरेक्टर की हत्या का खुलासा,

किन्नर से लड़की बनी जोया निकली मास्टरमाइंड

इंदौर। रीयल एस्टेट कंपनी के सेल्स डायरेक्ट देवांशु मिश्रा की हत्या में गिरफ्तार जोया किन्नर बेहद शातिर अपराधी है। वह आपराधिक किस्म के लड़कों का गिरोह संचालित करती है। उसके इशारे पर ही देवांशू को चाकू मारे। पुलिस ने देर रात जोया सहित अल्लू उर्फ शाहरुख और आलिम को गिरफ्तार कर लिया। अरूणनगर निवासी 26 देवांशु पुत्र रविशंकर मिश्रा की बाइक सवार एक युवती और दो युवकों ने बुधवार रात करीब डेढ़ बसे सत्यसाई चौराहा के समीप चाकू मारकर हत्या कर दी थी। सीसीटीवी फुटेज निकाले लेकिन कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ। देर रात लसूड़िया,विजयनगर थाना की टीम ने जोया को आजाद नगर से पकड़ा तो उसने अल्लू और आलिम के साथ हत्या स्वीकार ली।

नवरात्रि के पहले दिन 37 सौ रजिस्ट्री

इंदौर में सबसे ज्यादा 605, दूसरे नंबर पर भोपाल में 333; नौ दिन में 60 हजार प्रापर्टी की रजिस्ट्री होने की उम्मीद

भोपाल। फेस्टिवल सीजन की शुरुआत होते ही मध्यप्रदेश में श्राद्ध पक्ष की वजह से रुके प्रॉपर्टी के सौदे होने लगे हैं। नवरात्रि के पहले ही दिन मध्यप्रदेश में 3 हजार 771 रजिस्ट्री हुईं। यानी लोगों ने इतनी जमीन, मकान और फ्लैट्?स खरीदे। सबसे ज्यादा इंदौर में 605 रजिस्ट्री हुई, जबकि भोपाल में आंकड़ा 333 पर पहुंचा। प्रॉपर्टी से जुड़े जानकारों की मानें तो नवरात्रि में प्रदेशभर में 60 हजार से ज्यादा सौदे होने की उम्मीद है। श्राद्ध पक्ष की वजह से राजधानी समेत प्रदेशभर में प्रापर्टी की खरीद-फरोख्त कम हो गई थी, लेकिन जैसे ही नवरात्रि शुरू हुई, लोग शुभ मुहूर्त में प्रापर्टी की खरीद-फरोख्त करने लगे हैं। इसका नवरात्रि के पहले दिन मध्यप्रदेश में हुई 3 हजार 7 सौ 71 रजिस्ट्री से लगाया जा सकता है। श्राद्ध के दिनों में यह आंकड़ा आधा भी नहीं था। सबसे ज्यादा रजिस्ट्री इंदौर में

हुई है। यहां पहले ही दिन 605 रजिस्ट्री हुई। वहीं, भोपाल में 333, जबलपुर में 163, ग्वालियर में 247 और उज्जैन में 162 रजिस्ट्री हुईं।

16.81 करोड़ रुपए की आय

पंजीयन विभाग के अफसरों ने बताया कि नवरात्रि के पहले दिन 3771 रजिस्ट्री हुई और स्टांप ड्यूटी से 16 करोड़ 81 लाख रुपए की आय सरकार को हुई है।

आंकड़ा बढ़ेगा

शुक्रवार को इस आंकड़े में इजाफा होने की उम्मीद है। इसलिए पंजीयन विभाग ने भी इसी हिसाब से तैयारियां कर रखी हैं। ढ्ढस्क्क्ष और परी बाजार स्थित दफ्तरों में काउंटर भी बढ़ाए गए हैं।

पहले से एडवांस बुकिंग, अब होंगी रजिस्ट्री

सर्विस प्रोवाइडर्स का कहना है कि श्राद्ध पक्ष के दौरान ही कई लोगों ने प्रापर्टी की एडवांस बुकिंग कर दी थी। उन्होंने प्रॉपर्टी की बुकिंग के लिए बयाना तो दे दिया था, लेकिन रजिस्ट्री होल्ड करा दी थी।

संक्षिप्त समाचार

भाभी ने ननद की आंखों पर बांधी पट्टी फिर किया चाकू से वार, कुएं में मिली लाश

मंदसौर। भैंसोदा में 14 वर्षीय किशोरी की हत्या के मामले में पुलिस ने 48 घंटे में आरोपित और घटना की वजह का पता लगा लिया है। किशोरी की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसकी भाभी ने ही की थी। घटना वाले दिन किशोरी ने अपनी भाभी को पिता के साथ गले मिलते हुए देख लिया था। इसी से भाभी को डर हुआ कि ननद यह बात सभी को बता देगी। इसी दौरान भाभी ने साजिश रची और जब सभी लोग घर से काम पर चले गये तब ननद के साथ आंख मिचौली का खेल शुरू किया। किशोरी की आंखों पर पट्टी बांधने के बाद भाभी ने चाकू से उसकी नाक और गले पर हमला किया और गमछे से गला दबा, बेहोशी की हालत में किशोरी को घर की ही कुएं में फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। भानपुरा थाना प्रभारी कमलेश सिंगार ने बताया कि दो अक्टूबर को भैसोदा निवासी सुरेश क्षोत्रीय ने शिकायत दर्ज करते हुए बताया कि उसकी 14 वर्षीय बालिका हर्षिता एक अक्टूबर की सायं सात बजे से घर पर नहीं है। इस दौरान हर्षिता की चप्पल घर पर ही मिलने से शंका हुई, घर में ही बनी कुईयां में देखने पर हर्षिता का शव दिखाई दिया। जांच के दौरान पता चला कि मृतका के गले में व नाक पर चोट के निशान हैं और कुईयां के मुंह का ढक्कन भी बंद था। मृतका की शार्ट पीएम रिपोर्ट में मृत्यु के पूर्व चोट लगना पाई गई व पानी में डूबने से मृत्यु होना पाया गया। इसके बाद पुलिस ने मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज आरोपित की तलाश शुरू की।

राज्य सरकार भूमि अधिग्रहण के बदले प्रभावितों को दोगुनी जमीन देगी

भोपाल। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण चंबल एक्सप्रेस-वे (अटल प्रोग्रेस-वे) का निर्माण तेज गति से कराने के लिए राज्य सरकार भूमि अधिग्रहण के बदले प्रभावितों को दोगुनी जमीन देगी। लोक निर्माण विभाग इसका प्रविधान करने जा रहा है। मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। केंद्र सरकार ने शिवराज सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी देते हुए इसे भारतमाला परियोजना के पहले चरण में शामिल किया है। 312 किमी लंबा यह मार्ग श्योपुर, मुरैना और भिंड जिले से गुजरेगा। इसके लिए भारतीय राष्ट्रीय सड़क प्राधिकरण को राज्य सरकार 1523 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित कर चुकी है। लोक निर्माण विभाग ने निजी भूमि के अधिग्रहण की तैयारियां कर ली हैं। परियोजना में 1249 हेक्टेयर निजी भूमि आ रही है। कई जगह पर किसान आपसी सहमति से जमीन देने के लिए तैयार हैं। वहीं, परियोजना के दायरे में 291 हेक्टेयर वनभूमि भी आ रही है। इसके लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। भूमि अधिग्रहण राज्य सरकार को कर निर्माण एजेंसी को सौंपना है। इसके अलावा, बैठक में ग्वालियर-चंबल संभाग और विदिशा जिले में अतिवर्षा और बाढ़ से पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त आवासों के लिए प्रति आवास छह हजार रुपये की सहायता देने के निर्णय के अनुमोदन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा। इंदौर सहकारी दुग्ध संघ में 80 करोड़ रुपये की लागत से तीस टन प्रतिदिन क्षमता का मिल्क पावडर प्लांट स्थापित किया जाएगा। इसके लिए 50 करोड़ रुपये की ऋण सहायता राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से प्राप्त करने सरकार गारंटी देगी।

लखनऊ में आजादी का अमृत महोत्सव

मोदी ने 75 हजार लोगों को अपने आवास की चाबी दी

आगरा की विमलेश से पूछा- अब तो पक्के घर में होगी दिवाली?

लखनऊ। देश की आजादी के 75वें वर्ष के मौके पर आज से तीन दिन राजधानी लखनऊ में अमृत महोत्सव मनाया जाएगा। इसमें शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लखनऊ में हैं। उन्होंने न्यू अर्बन इंडिया कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। इसके बाद 75 हजार लाभार्थियों को वर्चुअली आवास की चाबी सौंपी।

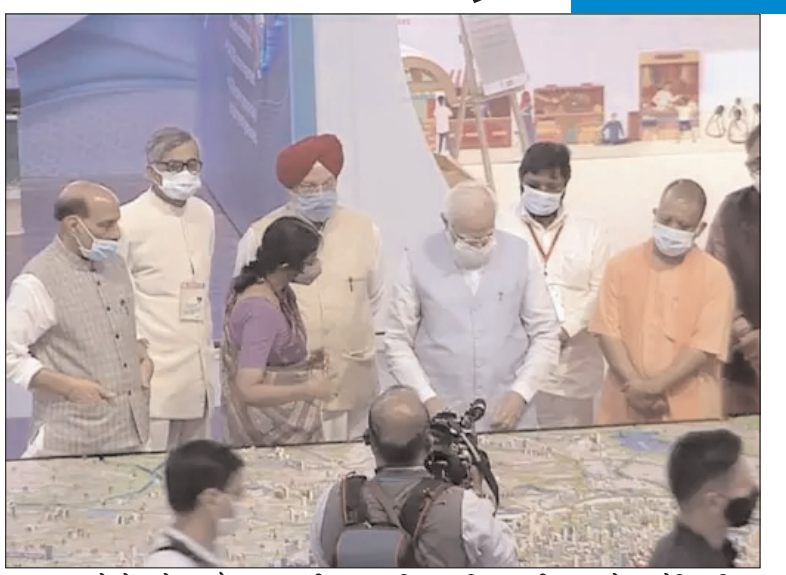

अब वे पांच लाभार्थियों से संवाद कर रहे हैं। इसकी शुरुआत आगरा की विमलेश से हुई है। उन्होंने पूछा, अब तो पक्के घर में दिवाली मिलेगी। विमलेश ने हां में जवाब दिया। इससे पहले सीएम योगी ने कहा, आजादी के बाद आवास का सपना था। यह सपना 2014 के बाद साकार होता दिख रहा है। यूपी में 42 लाख परिवारों को आवास मिला है। शहरीकरण यूपी के लिए बहुत जरूरी है और शहरी विकास तेजी से बढ़ रहा है। इधर, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, योगी के मुख्यमंत्री बनने से पहले जून 2015 के बाद 20 महीनों के अंदर यूपी में केवल 20 हजार आवास बन पाए थे। योगी के मुख्यमंत्री बनने के बाद 20 महीनों के भीतर यह आंकड़ा 20 लाख में बदल में बदल गया है। रक्षा मंत्री और लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह ने कहा, अर्बन फ्यूचर का रोड मैप यह कॉन्क्लेव है। पीएम ने न्यू इंडिया का सपना देखा है। वे दिन रात इस सपने को साकार करने में जुटे हुए हैं। प्रधानमंत्री जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने अर्बन प्लानिंग पर फोकस किया था। भूकंप से तबाह, प्लेग से पीड़ित सूरत शहर की सूरत बदलने में उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही, जो आज भी सराहनीय है।

पीएम मोदी ने प्रदर्शनी का जायजा लिया

सबसे पहले पीएम ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 110 तरह की आवासीय और व्यवसायिक निर्माण से जुड़ी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में अयोध्या के विकास, राम मंदिर का मॉडल और प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, शहरी आवास योजना, स्मार्ट सिटी से जुड़ी नई बिल्डिंग तकनीक को शामिल किया गया है। यह कार्यक्रम केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय और नगर विकास विभाग की तरफ से आयोजित किया गया है। पीएम मोदी के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, हरदीप सिंह पुरी, कौशल किशोर सहित देश के सभी राज्यों के नगर विकास मंत्री और विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी भी मौजूद हैं।

75 बड़ी हाउसिंग तकनीक की प्रदर्शनी: कार्यक्रम में भारत सरकार द्वारा नगरीय विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर सेमिनार और वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही आजादी के 75वें वर्ष पर 75 हाउसिंग तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा, स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, स्मार्ट सिटी मिशन, अर्बन ट्रांसपोर्ट, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में अब तक की उपलब्धियों से सम्बन्धित फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

इन योजनाओं की सौगात

स्मार्ट सिटी मिशन और अमृत के तहत 4,737 करोड़ की 75 शहरी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन/शिलान्यास किया। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, झांसी और गाजियाबाद सहित सात शहरों के लिए 75 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रधानमंत्री ने 75 जिलों में 75,000 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना -शहरी घरों की चाबी डिजिटली सौंपी। 10 स्मार्ट सिटीज की सफलता की 75 कहानियों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन।

समारोह में दिखी नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की झलक

तीन दिन तक चलने वाले कार्यक्रम में नए भारत का नया उत्तर प्रदेश-बदला नगरीय परिवेश राज्य पवेलियन की थीम तय की गई है। इसके अंतर्गत विभिन्न मिशनों का प्रस्तुतीकरण किया गया। उद्घाटन सत्र के बाद सेमिनार और वेबीनार के माध्यम से नगरीय विकास से संबंधित प्रौद्योगिकी पर चर्चा की जाएगी। 04 अलग-अलग सत्रों में मध्य-आय वाले घरों के लिए उपयुक्त नवीन निर्माण सामग्री और निर्माण प्रौद्योगिकीय का उपयोग, संसाधन, अवसर, बाधाएं और चुनौतियां, स्वदेशी/नवीन तकनीक का उपयोग करते हुए प्रचार, प्रसार, प्रदर्शन और निर्माण के लिए रणनीति तथा आवास सुधार, शहरी परिदृश्य के परिवर्तन को सक्षम करने विषय पर विचार-विमर्श होगा।

भोपाल में दूध की जांच का अभियान

पैक्ड दूध में नहीं मिली कोई मिलावट, खुले में मिला पानी

भोपाल। भोपाल में दूध की जांच का निश्शुल्क अभियान सांच को आंच क्या, खुद परखो-खुद जानो चलाया जा रहा है। जिसमें कोई भी पैक्ड और खुले दूध की जांच करवा सकता है।

हाल ही में लिए गए सैंपलों में से ब्रांड के पैक्ड दूध में कोई मिलावट नहीं मिली, जबकि खुला दूध पानी मिला पाया गया। मंगलवार को भी लोग दूध की जांच करवा सकते हैं और पता लगा सकते हैं कि वे जो दूध पी रहे हैं, वह पैमानों पर खरा उतरता है या नहीं। राजधानी में हर रोज करीब 12 लाख लीटर दूध की खपत होती है। इनमें सांची,अमूल व अन्य ब्रांड की बात करें तो

3.5 लाख लीटर दूध बिकता है। वहीं, 8 से 10 लाख लीटर दूध खुला होता है। पैक्ड दूध में सांची की सबसे ज्यादा खपत है। ढाई लाख लीटर से ज्यादा दूध की रोज की खपत होती है। दुग्ध संघ के जांच अभियान में पैक्ड दूध में तो खामियां सामने नहीं आई हैं, लेकिन खुले दूध में पानी मिला पाया गया है। बता दें कि 2 अक्टूबर से अभियान शुरू हुआ है। आकृति ईको सिटी और बावड़ियाकलां से दूध के 54 सैंपल की जांच की गई थी। इसमें किसी भी ब्रांड के पैक्ड बंद दूध में कोई मिलावट नहीं पाई गई। वहीं, खुले दूध में कुछ मात्रा में पानी पाया गया।

एडवांस कार्ड बनाकर पा सकते हैं छूट: भोपाल सहकारी दुग्ध संघ ष्श्वह्र आरपीएस तिवारी ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण दुग्ध आपूर्ति के कारण ही एफएसएसएआई (स्नस्स्ढ्ढ) ने भोपाल दुग्ध संघ डेयरी संयंत्र को पिछले साल + श्रेणी प्रदान की थी।

मध्यप्रदेश में डेंगू के मरीजों की संख्या 6 हजार पार

भोपाल। मध्यप्रदेश में तेजी से फैल रहे डेंगू ने चिंता बढ़ा दी है। राज्य में अब तक डेंगू मरीजों की संख्या 6 हजार के पार हो गई है। मंदसौर डेंगू का हॉटस्पॉट बना हुआ है। यहां अब तक 1100 से ज्यादा संक्रमित मिल चुके हैं। यही नहीं, प्रदेश के 15 जिलों में 100 से ज्यादा डेंगू के मरीजों की संख्या पहुंच गई है। अक्टूबर के 3 दिन में ही 380 मरीज मिले हैं। इन तीन दिनों में सबसे ज्यादा केस उज्जैन में 79 मिले हैं। सरकारी रिकॉर्ड में अभी सिर्फ 5 मौत हुई है, हालांकि जानकारों का कहना है कि डेंगू मरीजों की संख्या और मौत के आंकड़े वास्तविकता में अधिक है।

नदी-तालाब के किनारे बेकार पूजन सामग्री से बना रहे हर्बल साबुन धूप

जबलपुर। पूजन के बाद उस बची सामग्री का विनिष्टीकरण करना एक समस्या होता है। नदी-तालाब के किनारों पर तो ये सामग्री जब तब सड़े गले हाल में दिख जाएगी। क्या हो यदि इस कचरे से नदी-तालाब के घाट मुक्त हो जाएं। कचरे को गंदगी में फेंकने की बजाए उससे साबुन, धूप बना दी जाए। इससे सफाई भी और कमाई भी हो। ऐसा ही कुछ किया रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी के बायोडिजाइन इनोवेशन सेंटर ने। जहां कचरे की तरह पड़ी पूजन सामग्री को उपयोगी बना दिया। इससे नर्मदा के घाट से कचरा कम हो रहा है वहीं आमदनी के लिए नया रास्ता खुल गया। डीआइसी को अब बड़े स्तर पर उत्पादन के लिए किसी कंपनी से आफर मिलने का इंतजार है।

दस रुपये में बन रही साबुन : डिजाइन इनोवेशन सेंटर के निदेशक प्रो.एसएस संधु ने बताया कि सेंटर के डा.सुनील,मृदुल शाक्य और स्कालर सुरभि सिंह ने इस उत्पाद को तैयार किया है। अभी एक साबुन के निर्माण में करीब 10 रुपये खर्च आ रहा है। उत्पादन बड़े स्तर पर होने

पर लागत भी आधे से कम होगी। प्रो.संधु के मुताबिक स्टार्टअप के तहत इच्छुक लोग सेंटर से जुड़कर रोजगार का जरिया बना सकते हैं।

चढ़ावे से बनाई सामग्री: मृदुल शाक्य ने बताया कि पूजन में चढ़ाए जाने वाले फूल, हल्दी, रोली, नारियल, नींबू, नीम, मुलतानी मिट्टी से अलग-अलग फ्लेबर की हर्बल साबुन का निर्माण किया गया है। इसमें नारियल हवन सामग्री के साथ अधजला छोड़ दिया जाता है उसे निश्चित तापमान में चारकोल में बदलकर साबुन बनाया गया है। इसी तरह हल्दी, फूल, मुलतानी मिट्टी, नीम, नींबू का इस्तेमाल भी हर्बल साबुन बनाने में किया गया। नर्मदा के घाट किनारे काफी तादात में ये किनारे पर पड़े मिलते हैं। जहां से जरूरत के हिसाब से ये चढ़ावे को हम उठाकर लाते हैं। इसकी प्रोसेसिंग करने के बाद साबुन और धूप का निर्माण किया जाता है। जो पूरी तरह से प्राकृतिक है।

नदी स्वच्छ रहे: प्रो.एसएस संधु ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ रखना हमारी प्राथमिकता है। कोरोना के वक्त लाकडाउन में नदियां स्वच्छ हो गई थीं। लोग पूजन सामग्री भी कम ही छोड़ते थे लेकिन लाकडाउन हटते ही स्थिति फिर पुरानी जैसी हो गई। उस बीच सेंटर के सदस्य नर्मदा के ग्वारीघाट पर गए जहां प्रदूषण देखकर इसे स्वच्छ करने का उपाय खोजा।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम घोघरी में किया गया विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

बेगमगंज। न्यायालय परिसर में 2 अक्टूबर गांधी जयंती पर महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर प्रातः 7ड30 बजे न्यायालय परिसर से बस स्टैंड तक प्रभात फेरी निकाली गई। उसके उपरांत आजादी का अमृत महोत्सव मेला का आयोजन ग्राम घोगरी में किया गया। जिसमें मध्यस्थता जागरूकता शिविर रखा गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपर जिला नयायाधीश केएस शाक्य एवं विशेष अतिथि व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती स्वागिता श्रीवास्तव एवं व्यवहार न्यायधीश वर्ग 2 सृष्टि पटेल थी। अधिवक्ताओं में सईद कमर खान, राजनारायण रावत, राजेंद्र सिंह सोलंकी, प्रभुदयाल नेमा, राजस्व विभाग से तहसीलदार एनएस परमार तथा वन एवं पुलिस विभागए महिला बाल विकास तथा आसपास ग्राम के ग्रामीण जन शिविर मेला में उपस्थित हुए। न्यायाधीश सहित राजेंद्र सिंह सोलंकी एडवोकेट एवं अन्य अधिवक्ताओं ने अपने विचार रखे। सरपंच रामाधार ठाकुर एवं सचिव रघुवीर लोधी ने आभार माना।

त्योहारों पर ट्रेनों में नहीं मिल रही कंफर्म टिकिट

विदिशा। नवरात्र और दीपावली पर तीर्थ क्षेत्र सहित अपने घर जाने के लिए ट्रेनों में कंफर्म टिकट नहीं मिल रहे हैं। नवरात्र के पहले रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। आरक्षण टिकट काउंटर पर लंबी लंबी लाइनें भी लग रही हैं। वर्तमान में विदिशा से मैहर, मथुरा और दिल्ली तक जाने के लिए 14 से 15 अक्टूबर तक कंफर्म टिकिट नहीं मिल रहे हैं। मैहर जाने के लिए रीवांचल में ही सीटें खाली हैं इसके अलावा तीन अन्य स्पेशन ट्रेनों में वेटिंग हैं। दिल्ली जाने के लिए जीटी एक्सप्रेस, अमृतसर एक्स, गोंडवाना सुप, झेलम, छत्तीसगढ़ और मालवा एक्सप्रेस ट्रेनों में शयनयान श्रेणी, एसी में 20 तारीख तक कोई सीट नहीं है। इसके अलावा मथुरा जाने के लिए भी 20 तारीख तक लंबी वेटिंग हैं। रेलवे स्टेशन के आरक्षण काउंटर से मिली जानकारी के अनुसार विदिशा से मैहर और मथुरा जाने के लिए सबसे ज्यादा आरक्षण हो रहे हैं लेकिन अगले एक हफ्ते तक कंफर्म टिकट नहीं है। 14 एवं 15 तारीख तक केवल सामान्य श्रेणी में ही कुछ सीटें खाली मिल सकती हैं। इसके अलावा पुणे जाने के लिए एक माह तक इंतजार करना पड़ेगा, मुंबई जाने वाली ज्यादातर ट्रेनों के भी यही हाल हैं। ट्रेनों में केवल आरक्षण करके ही यात्रा हो रही है इसलिए त्योहारों में अपने घर जाने के लिए लोग अभी से ही ट्रेनों में सीटें बुक करने पहुंच रहे हैं।

शारदीय नवरात्रः नवरात्र में लोग बाजार में खरीददारी करने उमड़े लोग

रायसेन, बाड़ी। शारदीय नवरात्र पर्व 7 अक्टूबर से आरंभ हो रहे हैं। पर्व की तैयारियों को लेकर शासन की गाइड लाइन का पालन करते हुए व्यवस्था की जा रही है। त्योहार पर खरीदारी करने के लिए बाजार काफी चहल-पहल रही। पंडालों में दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना को लेकर समिति के सदस्य व्यवस्था बनाने में जुटे हुए हैं। जिले के प्रसिद्ध देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं के दर्शन की व्यवस्था की जा रही है। बिलखिरिया स्थित कंकाली मंदिर, बाड़ी में मां हिंगलाज मंदिर, खंडेरा में मां छोले वाली का दरबार में दर्शन-पूजन के विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक देवी मंदिर का विशेष महत्व होता है। नवरात्र के प्रथम दिवस प्रस्तुत है बाड़ी में स्थित मां हिंगलाज की महिमा से जुड़ी जानकारी।

पाकिस्तान के बाद रायसेन के बाड़ी में विराजमान है मां हिंगलाज – बाड़ी में स्थित मां हिंगलाज के दरबार में नवरात्रि पर्व शुरू होते ही प्रतिदिन सुबह 4 बजे से हजारों लोगों का

जल चढ़ाने का सिलसिला लगातार 9 दिन तक चलता रहता है। लोगों का मानना है कि भारतवर्ष में बाड़ी नगर में ही मां हिंगलाज शक्तिपीठ है इसके अलावा बलूचिस्तान पाकिस्तान में मौजूद। मां हिंगलाज का प्रसिद्ध मंदिर बलुचिस्तान पाक अधिकृत क्षेत्र में जहां वे ज्योति रूप में विराजमान हैं। मां के भक्त उन्हें नानी कहकर पुकारते हैं और नानी के हज की प्रसिद्धि भारत में ही नहीं विश्व में फैली हुई है। ज्योति रूप में मां का स्वरूप काफी निराला है। भक्तों की आंखों की ज्योति बनी नानी हर भक्त की मनोकामना पूर्ण करती है।

बाड़ी में दूसरा शक्तिपीठ

दूसरा शक्ति पीठ मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल का भोजपुर विधान सभा क्षेत्र का ह्रदय स्थल बाड़ी के दूसरे छोड़ बाड़ी कलां में विंध्यांचल की तलहटी में बसा हुआ है। रामजानकी खाकी अखाड़ा मंदिर की बगिया में विराजमान मां हिंगलाज का मनमोहक दरबार लगा हुआ है। ऐसी मान्यता है कि खाकी अखाड़ा मंदिर की गादी पर विराजमान विहंग महंत संत भगवान दास जी महाराज भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम राम के परम भक्त थे। उनके मन में जन पीड़ा और भक्तों के संकट को देखकर शक्ति उपासना की इच्छा जागृत हुई। इस इक्छा को पूरी करने के लिए संत ने रात-दिन चिंतन मनन किया।

नवरात्रि के नौ दिनों में चांदी खरीदना है शुभ

गंजबासौदा। शारदीय नवरात्रि के त्यौहार के साथ ही बाजारों में भी रौनक लौट आई है। आज से दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना के साथ ही दशहरा और दीपावली जैसे त्यौहारों की तैयारियां शुरु होने लगेंगी।

वहीं बुधवार को पितृ श्राद्ध पक्ष समाप्त होते ही बाजारों में सामान खरीदने पहुंचने लगे हैं। पिछले दिनों में कड़े दिन होने और पितृ श्राद्ध होने से बाजार सूने-सूने से थे, लेकिन नवरात्रि की शुरुआत होने से लोग बर्तन, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित कपड़े आदि खरीदने दुकानों पर पहुंच रहे हैं। नवरात्रि और दीपावली के दिनों में ज्वेलरी खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। इस वजह से ज्वेलरी की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ दिख रही है। कारोबारी कमलेश जोहरी ने बताया कि कोरोनाकाल के बाद नवरात्रि पर सबसे अधिक ग्राहकी हो रही है। त्यौहारों को देखते हुए दीपावली तक लोगों में ज्वेलरी खरीदने के प्रति रुझान रहेगा। लोग अंगूठी, बिंदिया, पायल, मंगलसूत्र आदि खरीद रहे हैं।

सबकी मनोकामनाएं पूरी करती हैं मां दुर्गा

ज्योतिषाचार्य पं केशव शास्त्री ने बताया कि नवरात्रि के दिनों में मां दुर्गा सबकी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। इन दिनों में पुण्य कर्मों का दोगुना लाभ होता है। साथ ही चांदी खरीदना या दान करना भी बहुत शुभ माना जाता है। नवरात्रि में मां दुर्गा की नई प्रतिमा या फोटो लेकर पूजन करने से घर में समृद्धि आती है। अगर किसी के घर में लंबे समय से कोई बीमारी से पीड़ित हैं तो उसे भक्ति भाव से मां दुर्गा की पूजन अर्चन करने के साथ ही नौ दिनों में किसी भी एक दिन घी खरीदकर घर में रखने से लाभ होगा।

न्यायापालिका सड़क पर उतरी, लोगों को बताए कानूनी अधिकार

रायसेन। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत गांधी जयंती पर न्यायपालिका ने सड़क पर लोगों को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील स्तर पर विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से प्रभातफेरी निकाली गई। सेंट फ्रांसिस कांवेंट स्कूल के हाल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद सभी ने रैली में भाग लिया। जिसमें सभी न्यायाधीश, विधिक सेवा अधिकारी, स्कूली बच्चों ने भाग लिया। उसके बाद दोपहर 12 बजे प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के

मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में सागर रोड स्थित वन परिसर रायसेन से मेला कैंप आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्ना विभाग जैसे वन, स्वास्थ्य, शिक्षा, डाक, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास, वन, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, उद्यानिकी, मछली पालन, नगर पालिका, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, श्रम एवं जिला प्राधिकरण के स्टॉल लगाए गए। सभी स्टॉल में उनके विभाग द्वारा संचालित की जाने वाली योजनाओं के बैनर लगे हुए थे। संचालित योजनाओं के पंपलेट और उनके द्वारा बनाई जाने वाली वस्तुओं को रखा गया था। नशा मुक्ति के लिए गायन मंडली द्वारा अपने गीतों के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी गई। मेला में प्रधान जिला न्यायाधीश ओंकार नाथ, कलेक्टर अरविंद दुबे, विशेष न्यायाधीश सुशांत उद्धार, श्रद्धा मुकर अपर सत्र न्यायाधीश, श्रीमती संगीता यादव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अन्य न्यायाधीशों ने स्टालों पर जाकर योजनाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के बाद पौधारोपण किया गया। नपा ने 8 कर्मचारियों को स्वच्छता मिशन के तहत प्रमाण पत्र वितरित किए। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने प्रधानमंत्री योजना अंतर्गत 4 हितग्राहियों को गैस कनेक्शन दिए गए।

ग्रामीण आबादी में मिला सम्पत्ति का मालिकाना हक

विदिशा/ग्यारसपुर। गांव की आबादी भूमि पर दशकों से काबिज लोगों को सम्पत्ति का मालिकाना हक व कानूनी अधिकार पत्र प्रदाय करने के लिए जिला स्तरीय कार्यक्रम ग्यारसपुर तहसील परिसर में किया गया। उक्त कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा ग्रामीण को प्रतीक स्वरूप अधिकार पत्रों का वितरण किया गया। शासकीय योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा कन्यापूजन कर किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाइव उद्बोधन सुना व देखा गया। प्रधानमंत्री का हितग्राहियों से संवाद तथा हरदा जिले में आयोजित प्रदेश स्तरीय आयोजन का सीधा प्रसारण देखा गया। जिला स्तरीय ग्यारसरपुर कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे ने कहा कि टपरियों में रहने वाले अब हटने के भय से मुक्त हुए हैं। सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि गरीबों की निरंतर भलाई करने वाले प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने ग्रामीण आबादी सम्पत्ति सर्वेक्षण अभियान से जो दस्तावेंज मिला है, निश्चित ही उससे स्थानीय रहवासी अब भय मुक्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने गांव की समस्याएं गांव में ही हल हो के लिए आबादी को जो अधिकार दिया है उसके पीछे मंशा यही है कि सभी सुखी रहें। बासौदा विधायक लीना जैन ने प्रधानमंत्री एवं

मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गरीबों को मूलभूत सुविधा आवास, बिजली, स्वच्छ पेयजल, की आपूर्ति सुनिश्चित कराने में मध्यप्रदेश राज्य अव्वल है।

विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में निकाली गई जागरूकता रैली

गैरतगंज। समाज में अपराधों, शिक्षा तथा विवादों के निष्पक्ष निपटान के प्रति लोग जागरूक हों। ताकि एक अच्छे समाज का निर्माण हो और लोग अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझ सकें।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित जागरूकता रैली के कार्यक्रम में यह बात गैरतगंज न्यायालय के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बीएस सोलंकी ने कही। आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत अखिल भारतीय जागरूकता एवं पहुंच कार्यक्रम के तहत डेढ़ माह तक चलने वाले आयोजन के शुभारंभ मौके पर नगर में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में न्यायालय सहित विभिन्ना विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं, गणमान्य लोगों ने हिस्सेदारी की। रैली के द्वारा विभिन्ना विषयों पर जागरूकता के संदेशों का प्रदर्शन तख्ती के माध्यम से किया गया। नगर के मुख्य मार्गों से रैली न्यायालय पहुंचकर संगोष्ठी में बदल गई। यहां न्यायिक मजिस्ट्रेट बीएस सोलंकी ने कहा कि समाज का जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है।

पुलिस अधीक्षक के कार्यकाल का एक माहः पहले दिन से मिलीं चुनौतियां

रायसेन। पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार शाहवाल ने 7 सितंबर को पदभार ग्रहण किया था। उन्हें

एक माह के कार्यकाल में पहले दिन से ही चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। पठारी हत्याकांड, बम्हौरी में प्रेम विवाह पर बलबा, सुल्तानपुर के जंगल में चरवाहे की हत्या, औबेदुल्लागंज क्षेत्र में राहगीरों से लूट इत्यादि वारदातों को सुलझाने में सफलता हासिल की है। इसके अलावा बाड़ी में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी के साथ अभद्रता की घटना ने शाहवाल की मानो अग्नि परीक्षा ले ली है। एक ओर जनता का विश्वास और दूसरी ओर स्टाफ का मनोबल दोनों ही परिस्थितियों के बीच अब तक की जिले में सबसे बड़ी कार्रवाई बाड़ी थाने के उप निरीक्षक, हवलदार और आरक्षक को बर्खास्त किया गया है।

पुलिस अधीक्षक शाहवाल से नवदुनिया की सीधी बात-

प्रश्नः जिले में सबसे बड़ी चुनौती क्या है?

उत्तरः भोपाल से नजदीक जिला होने के कारण लोग अपनी समस्याओं को लेकर सीधे सीएम तक पहुंच जाते हैं। लोगों की समस्याओं को कानून के दायरे में रहकर हल करना हमारा काम है। निष्पक्षता से काम करने पर किसी भी चुनौती का सामना किया जा सकता है।

प्रश्नः बलबा, हत्या, लूट की वारदातों को कैसे हल किया?

उत्तरः दो पक्षों के बीच आपसी रंजिश को कई लोग बलबा की वारदात में बदल देते हैं। इसलिए कई बार ऐसे मामले पूरे समुदाय के लिए संवेदनशील हो जाते हैं। हमने वारदात की मूल वजह को पहचानते हुए संबंधित लोगों पर कानूनी कार्रवाई की तो समस्या हल हो गई। इसी तरह हत्या व लूट की वारदातों में आरोपितों को पकड़ने में सफलता मिली है।

प्रश्नः अपराधों के नियंत्रण के लिए क्या योजना है?

उत्तरः अपराधों के वास्तविक कारणों को देखा जा रहा है। जिले में पेशेवर व आदतन अपराधियों की पहचान करते हुए उनके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की जा रही है। लूट, चोरी की वारदातों के नियंत्रण को लेकर गश्त बढ़ाने के साथ ही आधुनिक तकनीक का उपयोग भी किया जा रहा है।

संपादकीय

राजस्थान में खत्म होगा सत्ता का संघर्ष, सचिन पायलट को बड़ी भूमिका देने जा रही कांग्रेस

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान कांग्रेस में शुरू हुए संकट के दौरान आलाकमान ने पायलट के पक्ष को अनसुना कर गहलोत के दबाव में सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से तथा उनके समर्थक दो मंत्रियों महाराजा विश्वेंद्र सिंह व रमेश मीणा को कैबिनेट मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया था। राजस्थान की राजनीति में इन दिनों एक बड़ी खबर निकल कर आ रही हैं। राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सचिन पायलट की एक सप्ताह में दो बार कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी से राजस्थान की राजनीति को लेकर लंबी चर्चा हुई है। इस खबर के बाद राजस्थान में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। प्रदेश के कई बड़े नेता इन दिनों दिल्ली जाकर कांग्रेस आलाकमान से मिलकर फीडबैक दे रहे हैं। पंजाब के बाद अब राजस्थान की राजनीति में भी बड़ा बदलाव होता नजर आ रहा है। राजस्थान में काफी समय से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के मध्य मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान चल रही है। इसी कारण पिछले वर्ष सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री गहलोत के खिलाफ बगावत कर 22 विधायकों को लेकर एक महीने तक गुरुग्राम में डेरा डाला था।

उस वक्त कांग्रेस आलाकमान ने पायलट के पक्ष को अनसुना कर गहलोत के दबाव में सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से तथा उनके समर्थक दो मंत्रियों महाराजा विश्वेंद्र सिंह व रमेश मीणा को कैबिनेट मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया था। उस समय पायलट की बगावत से डर कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने समर्थक विधायकों को एक महीने तक जयपुर, जैसलमेर के होटलों में बाड़ेबंदी कर बंद रखा था। तब मुख्यमंत्री गहलोत कांग्रेस आलाकमान को यह समझाने में सफल रहे थे कि सचिन पायलट ने अंदरखाने भाजपा से मिलकर उनकी सरकार को अस्थिर करने का कुटिल प्रयास किया है जिसकी सजा उसको मिलनी चाहिए। इसी कारण पार्टी आलाकमान ने पायलट व उनके समर्थकों को पदों से हटा दिया था।

भारतीय मूल्यों वाली शिक्षा प्रदान करने के अभियान से बदल रहा है माहौल

भारत को विश्वगुरु का दर्जा दिलाने में प्राचीन शिक्षा ही मुख्य आधार थी, उसी विश्वगुरु भारत ने दीर्घकाल काल तक चले संघर्ष एवं चरित्र एवं नैतिक बल के कमजोर होने के फलस्वरूप अपना गुरुत्व खो दिया। अपना गुरुत्व खो देने से भारत कमजोर हुआ। एक षड्यंत्र के तहत अंग्रेजों ने भारत की सशक्त प्राचीन शिक्षा प्रणाली को कमजोर किया। इसके श्रेष्ठ वेद ज्ञान को गड़रियों के गीत अर्थात् मिथक घोषित कर शिक्षा की मूल धारा को बाधित किया।

ललित गर्ग

आचार्य विनोबा भावे ने अंग्रेजी शिक्षा के स्थान पर भारतीय मूल्यों के अनुरूप शिक्षा देने की आवश्यकता को महसूस किया, लेकिन उनके सुझाव एवं विचारों को अनसूना किया गया। इतना ही नहीं देश की शिक्षा उन लोगों के हाथों में सौंपी जो अंग्रेजी मानसिकता से ग्रस्त थे।

भारत को विश्वगुरु का दर्जा दिलाने में प्राचीन शिक्षा ही मुख्य आधार थी, उसी विश्वगुरु भारत ने दीर्घकाल काल तक चले संघर्ष एवं चरित्र एवं नैतिक बल के कमजोर होने के फलस्वरूप अपना गुरुत्व खो दिया। अपना गुरुत्व खो देने से भारत कमजोर हुआ। एक षड्यंत्र के तहत अंग्रेजों ने भारत की सशक्त प्राचीन शिक्षा प्रणाली को कमजोर किया। इसके श्रेष्ठ वेद ज्ञान को गड़रियों के गीत अर्थात् मिथक घोषित कर शिक्षा की मूल धारा को बाधित किया।

आजादी के संघर्ष के दौरान स्वदेश प्रेमियों ने इस बात को गहराई से समझ लिया था, लेकिन आजादी के बाद बनी सरकारों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया और अंग्रेजों की शिक्षा प्रणाली को ही अपना लिया, जो भारतीयता के संस्कार मिटाकर पाश्चात्य संस्कारों एवं सोच को भरती रही है, जो देश के लिए घातक बनी। अंग्रेजी शिक्षा के विरोधस्वरूप सबसे पहले रवीन्द्रनाथ ठाकुर उनके बाद महर्षि अरविन्द, स्वामी विवेकानंद, भगिनी निवेदिता, स्वामी दयानंद सरस्वती, लाल-बाल-पाल तथा गांधीजी ने राष्ट्रीय शिक्षा की ज्योति को प्रज्ज्वलित रखा। ऐसे ही समय में हिन्दू विचारधारा के अनुरूप विद्या भारती के रूप में प्राचीन एवं आधुनिक शिक्षा का एक समग्र एवं समन्वित अभियान प्रारंभ हुआ। जब आजाद भारत में भी अभारतीय शिक्षा ही दी जाती रही, तब विद्या भारती ने शिक्षा क्षेत्र में भारतीय मूल्यों की शिक्षा के अभियान का शंखनाद किया। सन् 1952 में विद्या भारती योजना का पहला सरस्वती शिशु मंदिर, गोरखपुर में प्रारम्भ हुआ। आज तो विद्या भारती के लगभग 25 हजार शिक्षा केन्द्र चल रहे हैं, जिनमें व्यक्ति निर्माण से लेकर राष्ट्र निर्माण की शिक्षा दी जा रही है। नये भारत के निर्माण और जन चेतना को सर्वांग एवं सशक्त बनाने में शिक्षा क्रांति के अवदान विद्या भारती की जो भूमिका है, उसके समुचित परिचय और पहचान की सामर्थ्य न तो शब्दों में ही है, न किसी माध्यम में। राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय शिक्षा का यह अभियान न केवल विलक्षण, अद्भुत, चमत्कारी बल्कि विशाल है। विद्या भारती जिसका पूरा नाम विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान है। इस संस्थान ने अपने नाम को सार्थक किया है। उत्तर में लेह से लेकर, दक्षिण के रामेश्वरम तक तथा पश्चिम में पाकिस्तान की सीमा से लगे मुनाबाव से लेकर पूर्वोत्तर में हाफलांग तक विद्या भारती के विद्या मंदिर हैं। बड़े-बड़े महानगरों की समृद्ध कालोनियों से लेकर गिरिकन्दराओं में बसी छोटी-छोटी बस्तियों तक विद्या भारती के शिक्षा केन्द्र राष्ट्र निर्माण के इस महत्वपूर्ण कार्य में लगे हुए हैं। विद्या भारती ने संगठनात्मक दृष्टि से पूरे देश को ग्यारह क्षेत्रों में बाटा हुआ है। प्रत्येक क्षेत्र में एक क्षेत्रीय समिति है, जिसके निर्देशन में प्रान्तीय समितियां अपने-अपने प्रान्त के कार्यों की देखभाल करती हैं। इन प्रान्तीय समितियों के अन्तर्गत जिला समिति एवं विद्यालय समिति प्रत्यक्ष कार्य करती है। ये सभी ग्यारह समितियां केन्द्रीय समिति के मार्गदर्शन में कार्य करती हैं। केन्द्रीय समिति का प्रधान कार्यालय देश की राजधानी दिल्ली में है। देश में कुल जिले 711, इनमें कार्ययुक्त जिले 632 हैं। कुल औपचारिक विद्यालय 12,830, कुल अनौपचारिक केन्द्र 11,353, कुल शैक्षिक इकाइयां 24,183, देशभर में अध्ययनरत छात्रों की संख्या 34 लाख 47 हजार 856, कुल आचार्य 1.5 लाख हैं। इस सांख्यिकी के आधार पर कहा जा सकता है कि गैर सरकारी स्तर पर विद्या भारती देश का ही नहीं, दुनिया का सबसे बड़ा शिक्षा संस्थान है। विद्या भारती गैरसरकारी होते हुए भी सर्वाधिक असरकारी शिक्षा संस्थान भी है। किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षा ही वह सेतु है, जो व्यक्ति-चेतना और समूह चेतना को राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से अनुप्राणित करती है। भारत के सामने जो समस्याएं सिर उठाए खड़ी हैं, उनमें पाश्चात्य पैटर्न पर दी जाने वाली मूल्यहीन शिक्षानीति एक ज्वलंत कारण रही है। शिक्षा ही जब मूल्यहीन हो जाए, तो देश में मूल्यों की संस्कृति कैसे फलेगी? वर्तमान में शिक्षा का उद्देश्य जीवन को उन्नत बनाना नहीं, अपितु आर्थिक स्तर को ऊंचा उठाना हो गया है। विद्या भारती का मंतव्य है- ''यदि भारत के भविष्य को बदलना है तो भावी पीढ़ी पर ध्यान देना ही होगा, उन्हें अपनी संस्कृति एवं मूल्यों से जोड़ना होगा।'' आचार्य विनोबा भावे ने अंग्रेजी शिक्षा के स्थान पर भारतीय मूल्यों के अनुरूप शिक्षा देने की आवश्यकता को महसूस किया, लेकिन उनके सुझाव एवं विचारों को अनसूना किया गया। इतना ही नहीं देश की शिक्षा उन लोगों के हाथों में सौंपी जो अंग्रेजी मानसिकता से ग्रस्त थे। प्राचीनकाल में गुरुकुल में 24 घंटे शिक्षा चलती थी। हर समय गुरु के समक्ष रहने से विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास हो जाता था, लेकिन वर्तमान में मजदूरी, साक्षरता और आजीविका के तौर पर प्राप्त शिक्षा से जीवन पुष्ट और समर्थ नहीं बन रहा है। विद्या भारती की शिक्षा की आवश्यकता का कारण बना कि ''वर्तमान की शिक्षा में जीविका के पहाड़े तो पढ़ाए जा रहे हैं, पर जीवन के पहाड़े नहीं पढ़ाए जाते। केवल जीविका की बात जुड़ने से समग्र व्यक्तित्व का निर्माण नहीं हो सकता।'' अंग्रेजी भाषा पर बल दिया जाता है, स्वभाषाओं की उपेक्षा होती है। इन विसंगतियों का दूर करने के लिये अनेक आयोग गठिन होने पर भी देश की शिक्षण-पद्धति कार्यकारी सिद्ध नहीं हो सकी।

अंग्रेजों ने भारत की सशक्त प्राचीन शिक्षा प्रणाली को कमजोर किया

जब आंदोलनकारियों का मकसद ही अराजकता फैलाने का हो तो लखीमपुर खीरी जैसी घटना होनी ही थी

अजय कुमार

आखिरकार उत्तर प्रदेश के जिला लखीमपुर खीरी में वो दर्दनाक मंजर दिखाई पड़ ही गया जिसके लिए कथित किसान नेता और उनके पीछे लामबंद सियासी शक्तियां लम्बे समय से 'पटकथा' लिख रही थीं।

नये कृषि कानून के विरोध के नाम पर चल रहे आंदोलन में फैली हिंसा और अराजकता ने चार किसानों, तीन बीजेपी कार्यकर्ताओं और एक वाहन चालक को मौत की नींद सुला दिया। गलती किसकी थी, यह जांच होती रहेगी, लेकिन जिनकी जान चली गई, वह तो वापस नहीं आएगी। 26 जनवरी को दिल्ली में किसान आंदोलन के नाम पर की गई हिंसा के बाद यह दूसरी बार देखने को मिला जब किसान के वेश में लोग किसी की जान के प्यासे हो गए। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि नया कृषि कानून, जिस पर अभी स्थगन लगा हुआ है, उसकी आड़ में किसानों को लम्बे समय से भड़काया जा रहा था। मुट्ठी भर कथित किसान नेताओं के मंसूबे इतने खतरनाक नहीं होते यदि उन्हें विदेश से पैसा और देश में कुछ दलों तथा नेताओं से सियासी संरक्षण नहीं मिल रहा होता।

आठ लोगों की मौत के गुनाहगार पकड़ में आएंगे या फिर उन्हें उनके कृत्य की सजा मिल पाएगी, इसकी संभावना भी नहीं के बराबर रहेगी। सबसे बड़े दुख की बात यह है कि गैर बीजेपी दलों को चार किसानों की मौत तो दिखाई दे रही है, जिसके लिए वह वह मोदी-योगी को कोस भी रहे हैं, परंतु इतना असंवेदनशील कोई कैसे हो सकता है कि चार किसानों की मौत पर तो यह नेता बड़े-बड़े आंसू बहा रहे हैं, लेकिन समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती, कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा, आम आदमी पार्टी के नेता और सांसद संजय सिंह का दिल जरा भी नहीं पसीजा। राजनीति में विचारधारा की लड़ाई को तो मंजूरी मिल सकती है।

गांधीजी के जमाने का नहीं, बहुत पुराना है शांति और अहिंसा का संदेश

अशोक मधुप

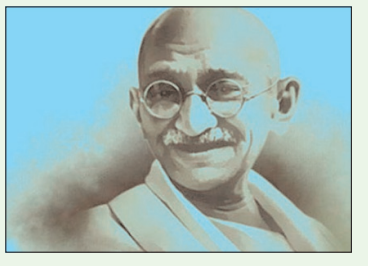

शांति अहिंसा का संदेश महात्मा गांधी का संदेश नहीं था। यह भारत का युगों-युगों का संदेश है। उन्होंने भारत के प्राचीन शान्ति और अहिंसा के आदेश को आगे बढ़ाया। प्रारंभ से भारतवासी शांति और अहिंसा के पुजारी रहे हैं। उन्होंने कभी अपनी ओर से युद्ध नहीं छेड़ा। आज गांधी जयन्ती है। महात्मा गांधी का जन्मदिन। वही महात्मा गांधी, जिनका देश को आजादी दिलाने में बड़ा योगदान माना जाता है। आजादी के इस आंदोलन के साथ उन्होंने शांति और अहिंसा का संदेश दिया। कोशिश की कि अंग्रेज अहिँसा की शक्ति को पहचानें। अंग्रेज जो खुद ईसाई थे। वे प्रभु यीशु के अनुयायी थे। प्रभु यीशु जो अपने शत्रुओं को भी क्षमा करने की बात करते थे। अपने को नुकसान पहुंचाने वालों को माफ करने में जिनका यकीन था। शांति अहिंसा का संदेश महात्मा गांधी का संदेश नहीं था। यह भारत का युगों-युगों का संदेश है। उन्होंने भारत के प्राचीन शान्ति और अहिंसा के आदेश को आगे बढ़ाया। प्रारंभ से भारतवासी शांति और अहिंसा के पुजारी रहे हैं। उन्होंने कभी अपनी ओर से युद्ध नहीं छेड़ा। अपने आप तलवार नही उठाई। उनकी कोशिश रही कि सब शांति से निपट जाए। पर जब सामने वाले ने शांति और अहिंसा को मानने वाले की कायरता समझी तो मजबूरी में उन्हें युद्ध करना पड़ा।

आईआईटी गुवाहाटी के वैज्ञानिकों की खोज

वैज्ञानिकों ने रुई की खास किस्म तैयार की, यह तेल सोखेगी पानी नहीं; इससे समुद्र में तेल के रिसाव को कंट्रोल किया जा सकेगा

समुद्र में होने वाला तेल का रिसाव जीवों और इंसानों के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। इसे कंट्रोल करने के लिए आईआईटी गुवाहाटी के वैज्ञानिकों ने रूई की एक किस्म तैयार की है] जो केवल तेल सोखती है, पानी नहीं। यह रूई जल प्रदूषण को रोकने में और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में असरदार साबित हो सकती है।

तैयार करना आसान और रिसायकल भी हो सकेगी

वैज्ञानिकों का कहना है, रूई की इस किस्म को तैयार करना आसान है। इसे कम कीमत पर तैयार किया जा सकता है और रिसाइकिल भी कर सकते हैं। यह हल्के और गाढ़े, दोनों तरह के तेल को सोखने में असरदार है। इसकी इसी खूबी का इस्तेमाल करके ट्रांसपोर्टेशन के दौरान नदियों और समुद्र में होने वाले तेल के रिसाव को रोका जा सकेगा। आईआईटी गुवाहाटी में केमेस्ट्री डिपार्टमेंट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्याम पी. विश्वास कहते हैं, भारत जैसे देश में पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन ईंधन का सबसे बड़ा सोर्स है। ईंधन को लाने-ले जाने के दौरान इसका रिसाव होने की बात आम है।

समुद्री तेल रिसाव के नुकसान

- समुद्री पक्षियों पर तेल लगने से उन्हें उड़ने और तैरने में परेशानी होती है। इसके अलावा इनकी स्किन और आंखों में जलन होती है।
- पानी में चिकनाई बढ़ने से समुद्री पौधों में फूल और फल बनने की प्रक्रिया प्रभावित होती है और समुद्री जीवों के गलफड़े ठीक से काम नहीं करते।
- समुद्री प्रदूषण के अधिक होने पर वहां उपस्थित वनस्पति व जीव तेजी से मरने लगते हैं। ऐसा होने पर पानी में ऑक्सीजन की कमी होने लगती है।
- महासागरों में तेल रिसाव के प्रदूषण से समुद्री इकोसिस्टम की जैव विविधता पर भी गम्भीर खतरा पैदा होता है।
- समुद्र में तेल की मात्रा बढ़ने पर मोनोआक्साइड जैसी गैसें उत्सर्जित होकर वायुमंडल मे प्रवेश कर जाती हैं, जो ग्लोबल वार्मिंग का कारण बनती हैं।

मधुमक्खियों पर वैज्ञानिकों ने किया नया खुलासा

शहर के मुकाबले गांव की मधुमक्खियां ज्यादा मेहनती, ये भोजन के लिए 50 फीसदी तक ज्यादा लम्बा सफर तय करती हैं

मधुमक्खियां खास किस्म का वेगल डांस करके एक-दूसरे से बातें करती हैं। यह बात ज्यादातर लोग जानते हैं, लेकिन वैज्ञानिकों ने इनके बारे में नया खुलासा किया है। वैज्ञानिकों का कहना है, गांव में दिखने वाली मधुमक्खियां शहरी मधुमक्खियों के मुकाबले ज्यादा मेहनती होती हैं। वो भोजन की तलाश में 50 फीसदी तक ज्यादा सफर तय करती हैं।

रिसर्च कैसे हुई, अब ये जानिए

वर्जिनिया और रॉयल होलोवे यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने लंदन में मधुमक्खियों के 20 छत्तों की एनालिसिस की। इन छत्तों में 2800 बार दिखने वाले वेगल डांस को ध्यान से देखा। मधुमक्खियों की एक्टिविटी पर नजर रखी। रिसर्च में सामने आया कि शहरी क्षेत्र में रहने वाली मधुमक्खियां भोजन की तलाश में औसतन 492 मीटर की दूरी तय करती हैं। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में मधुमक्खियां 743 मीटर तक दूर तक जाकर भोजन ढूंढती हैं। खास बात रही है कि शहर और गांव दोनों जगहों में रहने वाली मधुमक्खियों ने जो शुगर इकट्ठी की, उसकी मात्रा में कोई बड़ा अंतर नहीं था।

इसलिए गांव की मधुमक्खियां करती हैं ज्यादा मेहनत

शोधकर्ता एली लीडबीटर कहती हैं, हमारी रिसर्च बताती है कि शहरों के बगीचे मधुमक्खियों के लिए हॉटस्पॉट होते हैं, क्योंकि इन बगीचों में फूलों की कई तरह की किस्म मौजूद होती हैं। जबकि गांवों के खेती-किसानी वाले इलाकों में मधुमक्खियों को अपना खाना ढूंढने के लिए खास मशक्कत करनी पड़ती है। इसलिए इन्हें दूरी भी लम्बी तय करनी पड़ती है।

मधुमक्खी वेगल डांस के जरिए कैसे खाने की लोकेशन बताती है

मधुमक्खी हर दिन भोजन की तलाश में बाहर निकलती है। जब वो इसे लेकर वापस छत्ते पर लौटती है तो दूसरी मधुमक्खियों को भोजन की लोकेशन के बारे में बताती है। यह जानकारी देने के लिए वो वेगल डांस करती है। मधुमक्खी के वेगल डांस को दूसरी मधुमक्खियां ध्यान से देखती हैं। इससे वो समझ पाती हैं कि किस डायरेक्शन में भोजन उपलब्ध है और यह कितनी दूर है।

मोटापा बढ़ने की एक और वजह पता चली

मोटापे के लिए जिम्मेदार हैं इंसान में मौजूद 14 जीन्स, दवाओं से इन्हें कंट्रोल करके बढ़ता वजन रोका जा सकेगा; अमेरिकी वैज्ञानिकों का दावा

हर बार मोटापे की वजह एक्सरसाइज से दूरी और फैट वाला खाना हो ऐसा नहीं है। अमेरिकी वैज्ञानिकों इसकी एक और वजह बताई है, वो है इंसान के जीन्स। रिसर्च के दौरान वैज्ञानिकों ने ऐसे 14 जीन्स पहचाने गए हैं जो इंसान में बढ़ते मोटापे के लिए जिम्मेदार होते हैं। इन्हीं जीन्स के कारण इंसान हृदय रोग और डायबिटीज जैसी बीमारियों से जूझता है।

मोटापा भी एक महामारी

रिसर्च करने वाले वर्जिनिया यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ आर्ट एंड साइंस के शोधकर्ताओं का कहना है, मोटापा भी एक महामारी बन गया है। अधिक कैलोरी वाली डाइट, शुगर और फ्क्टोज की ज्यादा मात्रा लेने पर मोटापा सीधे तौर पर बढ़ता है। इसमें सुस्त जीवनशैली का अहम रोल है, लेकिन नई रिसर्च कहती है इसके लिए इंसान का जीन भी जिम्मेदार है। रिसर्च के मुताबिक, इंसानों द्वारा लिए जाने वाले अतिरिक्त खाने को चर्बी में बदलने का काम कौन से जीन कर रहे हैं।

मच्छरों पर दिलचस्प रिसर्च

10 मीटर दूर से इंसानों को ढूंढ लेते हैं नर मच्छर, ये इंसानों का खून नहीं चूसते फिर भी उनके आसपास क्यों मंडराते हैं

मेलबर्न। कान में पास भनभनाते मच्छर हमेशा परेशान करते हैं, लेकिन हर बार वो आपको परेशान करने के मकसद से नहीं आते। खासकर नर मच्छर, क्योंकि ये इंसान का खून नहीं चूसते। इंसान का खून चूसकर संक्रमित करने का काम मादा मच्छर करती है। नई रिसर्च कहती है, नर मच्छर इंसानों की ओर आकर्षित होते हैं, इसलिए उनके इर्द-गिर्द मंडराते हैं। जानिए, हालिया रिसर्च में मच्छरों से जुड़ी कौन सी दिलचस्प बातें सामने आईं...

इंसानों को कैसे ढूंढ लेते हैं ये मच्छर

वैज्ञानिकों का कहना है, मच्छर करीब 10 मीटर की दूरी से ही इंसान को ढूंढ लेते हैं। इसकी वजह है कार्बन-डाई-ऑक्साइड यानी ष्टह2 है। इंसान ऑक्सीजन को ग्रहण करता है और कार्बन-डाई-ऑक्साइड को छोड़ता है। मच्छर इसी ष्टह2 का सोर्स ढूंढते हुए कुछ ही सेकंड के अंदर इंसान तक पहुंच जाते हैं और काटना शुरू कर देते हैं। हालांकि, इंसान को काटने का का काम मादा मच्छर ही करती है।

घटती आंखों की रोशनी को कंट्रोल करने की कोशिश

मोतियोबिंद को रोकेगा छोटा सा छर्रेनुमा इम्प्लांट, इसे आंखों में इंजेक्ट किया जाएगा और यह कैल्शियम घटाकर सर्जरी का रिस्क कम करेगा

मोतियाबिंद को रोकने के लिए वैज्ञानिकों ने एक नया छर्रेनुमा इम्प्लांट तैयार किया है। अगर मोतियाबिंद हो गया है तो यह इम्प्लांट उसे बढ़ने नहीं देता और बिना सर्जरी के इसका इलाज करने में मदद करता है। यह इम्प्लांट आंखों में कैल्शियम का स्तर बढ़ने से रोकता है। यह किस हद तक असरदार है, इसकी जांच के लिए क्लीनिकल ट्रायल चल रहा है। जल्द ही ह्यूमन ट्रायल शुरू होगा। वैज्ञानिकों का कहना है यह इम्प्लांट बड़ा बदलाव ला सकता है क्योंकि दुनियाभर के बुजुर्गों में मोतियाबिंद एक आम बीमारी बनती जा रही है। यूके में हर साल मोतियाबिंद के 3.50 लाख ऑपरेशन किए जाते हैं। 65

साल की उम्र के हर तीन में से एक इंसान की एक या दोनों आंखों में मोतियाबिंद होता है।

मोतियाबिंद कब, क्यों और कैसे होता है, पहले इसे समझें

आसान भाषा में समझें तो आंखों पर सफेद चकत्ते जैसे पैच बनने को हो मोतियाबिंद कहते हैं। ऐसा होने पर इंसान को सबकुछ धुंधला दिखाई देता है। मरीजों को चलने-फिरने में भी दिक्कत होती है, खासकर रात में। अगर समय पर इसका इलाज न हो तो मरीज को स्थायीतौर पर दिखना बंद हो सकता है। यह बुजुर्गों में होने वाली बीमारी है। बढ़ती उम्र में अगर स्मोकिंग और अल्कोहल का सेवन करते हैं तो मोतियाबिंद का खतरा और ज्यादा बढ़ता है। यह बीमारी को बढ़ाने वाले रिस्क फैक्टर्स हैं।

अब इसकी वजह भी जान लीजिए

उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कुछ एंटीऑक्सीडेंट्स की कमी हो जाती है। नतीजा ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है जो लेंस से जुड़े टिश्यू को डैमेज करता है और आंखों के लेंस में कैल्शियम इकट्ठा होने लगता है। ऐसा होने पर सबकुछ धुंधला दिखने लगता है। इसके इलाज के तौर पर सर्जरी की जाती है, जो करीब 30 मिनट तक चलती है। सर्जरी के दौरान आंखों में छोटा सा चीरा लगाकर पुराने लेंस को हटाकर नया लेंस लगाया जाता है। नए इम्प्लांट को अमेरिकी फार्मा कम्पनी नेक्युटी फार्मास्युटिकल्स ने तैयार किया।

बिग बॉस 15: रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनेंगी रति पांडे

टेलीविजन का पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 15, 2 अक्टूबर से कलर्स टीवी पर शुरू हो रहा है। शो में हिस्सा लेने के लिए कन्फर्म सदस्यों की एक लिस्ट जारी कर दी गई है जिनमें से कुछ क्वारैंटाइन होने के बाद घर में भी एंटर कर चुके हैं। इसी बीच खबरें ये भी थीं कि शादी मुबारक एक्ट्रेस रति पांडे भी इस सीजन का हिस्सा रहेंगी, हालांकि खुद एक्ट्रेस ने इन खबरों को अफवाह बताया है। लगातार बिग बॉस में जाने की खबरें सामने आने पर रति पांजे ने ईटाइम्स से कहा, जी हां, ये सच है कि मुझे बिग बॉस 15 का कंटेस्टेंट बनने के लिए ऑफर मिला था, लेकिन अपने दूसरे कमिटमेंट के चलते मैं इस बार शो में नहीं जाऊंगी।

दूसरे कमिटमेंट के चलते ठुकराया बिग बॉस का ऑफर

जो खबरें सामने आ रही हैं मेरे शो में जाने की वो सिर्फ अफवाह हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मुझे बिग बॉस देखना पसंद है और मैंने पिछले कुछ सीजन को पूरी तरह फॉलो भी किया है। लेकिन अगर मैं कभी बिग बॉस में गई तो मुझे नहीं पता क्या होगा। बता दें कि रति पांडे के अलावा उतरन फेम एक्ट्रेस टीना दत्ता, मोहसिन खान, शिवांगी जोशी जैसे कई सेलेब्स के नाम भी बिग बॉस 15 में हिस्सा लेने के लिए सामने आए थे, हालांकि इनके कन्फर्म सदस्यों की लिस्ट में नाम शामिल नहीं हैं।

ये हैं इस सीजन के कन्फर्म सदस्य

मेकर्स द्वारा शो में हिस्सा लेने वाले सेलेब्स के नाम कन्फर्म कर दिए गए हैं जिनमें, उमर रियाज, डोनल बिष्ट, आकासा सिंह, अफसाना खान, सिंबा नागपाल, करण कुंद्रा, शमिता शेट्टी, निशांत भट्ट, प्रतीक सहजपाल, विधी पांड्या, मिशा अय्यर, साहिल श्रॉफ, ईशान सेहगल, विशाल कोटियन, तेजस्वी प्रकाश शामिल हैं।

रणबीर और नीतू कपूर के साथ नया घर देखने पहुंची आलिया भट्ट

मुंबई। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी का सबको इंतजार है। दोनों स्टार बॉलीवुड के सबसे हॉट कपल है। हाल ही में कलाकार जोधपुर से छुट्टियां मनाकर मुंबई लौटे। अब गुरुवार को आलिया, नीतू कपूर और रणबीर के साथ कृष्णा राज बंगले में कंस्ट्रक्शन को देखने पहुंची। कहा जा रहा है कि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर शादी के बाद इस पुस्तैरी घर में रहेंगे। यह बंगला नीतू के मौजूदा घर के नजदीक है। कृष्णा राज बंगले के रेनोवेशन का काम काफी समय से चल रहा है। कोरोना महामारी और लॉकडाउन के कारण कार्य रुक गया था। बीते कुछ महीने फिर काम हो रहा है। ऋषि कपूर इस बंगले को बना हुआ देखना चाहते थे। बंगले पर पहुंच आलिया व्हाइट स्वेटशर्ट में नजर आईं। वहीं रणबीर कपूर ने ग्रे स्वेटशर्ट पहना हुआ है। हाल ही में एक इंटरव्यू में नीतू कपूर ने बताया था कि ऋषि कपूर की दो इच्छाएं अधूरी रह गईं। एक वो कृष्णा राज बंगले को खूबसूरत अंदाज में देखना चाहते थे। वहीं दूसरा बेटे रणबीर की शादी देखना चाहते थे। बता दें रणबीर कपूर का 28 सितंबर को जन्मदिन था। अपना बर्थडे सेलिब्रेट करने आलिया के साथ जोधपुर गए था। जहां से दोनों की कई फोटोज सामने आई हैं।

रिएक्शनः पलक तिवारी ने खुलासा किया कि इंटिमेट सीन करने पर मां श्वेता तिवारी का कैसा होगा रिएक्शन

अपकमिंग एक्ट्रेस पलक तिवारी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि फिल्मों में बोल्ड और इंटिमेट सीन करने पर उनकी मां श्वेता तिवारी को किसी भी तरह से कोई परेशानी नहीं है। साथ ही उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म को लेकर भी अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि फिल्मों में बोल्ड और इंटिमेंट सीन को लेकर मां श्वेता तिवारी

पलक अपने आप को कभी नहीं मान सकती हैं अपनी मां से बेहतर

श्वेता से तुलना के बारे में पूछे जाने पर पलक ने कहा, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि लोग मेरी तुलना मेरी मां श्वेता तिवारी से करेंगे। मुझे इस बात का बिलकुल डर नहीं है क्योंकि मैं ऐसा कुछ साबित नहीं करना चाहती। मैं एक अलग पर्सनालिटी हूं और चाहती हूं कि लोग मुझे और मेरे काम को समझें और पसंद करें। मैं अपने आप को कभी भी अपनी मां से बेहतर मान ही नहीं सकती हूं।

कहती हैं कि यह आपका करियर है और यह आपके फैसले हैं। बातचीत के दौरान पलक ने श्वेता से तुलना किए जाने पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा है कि वो तुलना के साथ ,बहुत सहज महसूस करती हैं।

श्वेता नहीं करती हैं बेटी पलक को कंट्रोल: पलक तिवारी ने कहा, ÷वो (श्वेता तिवारी) इसे तरह कंट्रोल नहीं करती हैं। मुझे अपनी मां के बारे में एक बात यह अच्छी लगती है कि वो मुझसे कहती रहती हैं कि यह आपका करियर है, आपके फैसले हैं। मुझे लगता है कि वो मुझ पर बहुत भरोसा करती हैं। तो, इसलिए मुझे कहती रहती हैं कि यह आपका करियर है और आप अपने फैसले लेने के लिए काफी स्मार्ट हैं। लेकिन, अगर मैं किसी भी चीज को लेकर फंसती हूं तो मैं उनके पास जाती हूं और वो मुझे सुझाव देती हैं कि उन्हें क्या सबसे अच्छा लगता है।

रोजीःद केसर चैप्टर में नजर आएंगी पलक तिवारी

श्वेता ने जहां टेलीविजन में अपने करियर की शुरुआत की थी, वहीं पलक फिल्म रोजीः द केसर चैप्टर से एक्टिंग की शुरुआत करेंगी। विशाल मिश्रा द्वारा निर्देशित, यह हॉरर थ्रिलर फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है।

मालदीव में कैटवॉक करती दिखीं रुबीना दिलैक

एक्ट्रेस का स्वैग देख फिदा हुए पति अभिनव शुक्ला

नई दिल्ली। टीवी दुनिया की फेम एक्ट्रेस रुबीना दिलैक इनदिनों अपने पति अभिनव शुक्ला के संग रोमांटिक टूर पर हैं। इस कपल का यह रोमांटिक टूर का डेस्टिनेशन मालदीव है, जहां से एक्ट्रेस अपने हर पल पल को कैमरे को कैद कर अपने फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर शेयर कर रही हैं। रुबीना इसी बीच एक बार फिर से अपना ग्लैमरस और हॉट अवतार अपने चाहने वालों के दिखाया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम से एक धांसू वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह कैटवॉक करती दिख रही हैं।

पति अभिनव को भाया रुबीना का अंदाज

वीडियो में रुबीना ग्रीन आउटफिट में दिख रही हैं। उनका ड्रेस इंड्रो वेस्टर्न है। जिसमें वह फूल स्वील और हाईनेक जालीदार ब्लाउज पहने दिख रही हैं। हवा में लहराते उनके खुले बाल उनकी खूबसूरती और बढ़ा दिया है। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए रुबीना कैप्शन में लिखती हैं-रास्ता दोज्ज कृपया। रुबीना के इस वीडियो पर अपने पति अभिनव ने ताली बजाते हुए कॉमेंट किया है। इस वीडियो को एक घंटे के अंदर लाखों लोगों ने लाइक किया है।

इस फिल्म में डेब्यू कर रही हैं रुबीना

इस वीडियो से पहले भी रुबीना एक से बढ़कर एक तस्वीर अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर चुकी हैं।

मलाइका अरोड़ा ने कपिल शर्मा से पूछा,

बच्चे पैदा करने का वक्त कब मिलता है? बोले- शो खत्म होने के बाद

मुंबई। मलाइका अरोड़ा ने कपिल शर्मा से पूछा, बच्चे पैदा करने का वक्त कब मिलता है? बोले- शो खत्म होने के बाद जब... कपिल शर्मा अपनी हाजिरजवाबी के लिए जाने जाते हैं। उनका शो भी लोग काफी पसंद करते हैं। इस बार द कपिल शर्मा शो पर मलाइका अरोड़ा, गीता कपूर और टेरेंस लुइस आ रहे हैं। चैनल ने शो का मजेदार प्रोमो रिलीज किया है। इस प्रोमो में मलाइका कपिल से मजेदार सवाल करती हैं। इंट्रेस्टिंग बात ये है कि कपिल जवाब भी ऐसा देते हैं कि वहां बैठे सभी लोग अपनी हंसी नहीं रोक पाते। शो में टेरेंस के चश्मे पर भी जबरदस्त खुलासा होता है।

जब चैनल वाले सीआईडी चलाते हैं...

कपिल शर्मा अपने शो में लोगों के साथ खूब मजाक-मस्ती करते हैं। इस बार उनके शो पर इंडियाज बेस्ट डांसर्स की मलाइका अरोड़ा, गीता कपूर और टेरेंस लुस मेहमान बने हैं। मलाइका कपिल से बोलती हैं, हमारा शो तो सीजनल होता है। शो के बाद हमें छुट्टी भी मिलती है। आपका शो तो डेली है।

फेसबुक का शेयर 5 प्रतिशत तक टूटा

फेसबुक के डाउन होने से मार्क जुकरबर्ग को 7 अरब डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली। सोमवार को दुनियाभर में कई घंटे फेसबुक की सभी सर्विसेज डाउन रहीं। फेसबुक की सर्विसेज के अलावा इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप, अमेरिकी टेलीकॉम कंपनियां जैसे की सर्विस भी घंटों तक ठप रहीं। फेसबुक के डाउन होने से इसके को-फाउंडर और ष्टश्वह्र मार्क जुकरबर्ग को व्यक्तिगत रूप से भी भारी नुकसान हुआ है। उनकी नेटवर्थ में कुछ ही घंटे में 7 अरब डॉलर (52,212 करोड़ रुपए) की गिरावट आ गई और वह अरबपतियों की लिस्ट में एक पायदान नीचे फिसल गए।

■ अरबपतियों की लिस्ट में 5वें स्थान पर पहुंचे

बिलिनेयर इंडेक्स में 5वें स्थान पर पहुंचे जुकरबर्ग

ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक इसकी वजह से जुकरबर्ग का नेटवर्थ घटकर 122 अरब डॉलर रह गई और वह बिल गेट्स से नीचे 5वें स्थान पर पहुंच गए। पहले वह इस लिस्ट में चौथे स्थान पर थे। इस साल 13 सितंबर से अब तक उनकी नेटवर्थ में 19 अरब डॉलर की गिरावट आ चुकी है।

फेसबुक का शेयर 5% तक टूटा

इस बीच अमेरिकी शेयर बाजार में फेसबुक के शेयर्स में जोरदार बिकवाली शुरू हो गई और एक दिन में ही शेयर की कीमत में 5त्न की गिरावट आ गई। मध्य सितंबर से अब तक यह शेयर 15त्न टूट चुका है।

6 घंटे तक डाउन रहे ऐप्स

भारतीय समयानुसार सोमवार रात 10 बजे के आसपास दुनिया भर में फेसबुक की सभी सर्विसेज डाउन रहीं। फेसबुक की सर्विसेज के अलावा इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप, अमेरिकी टेलीकॉम कंपनियां जैसे Verizon, At&t और T Mobile की सर्विस भी घंटों तक ठप रहीं। हालांकि तकरीबन 6 घंटे तक डाउन रहने के बाद इन ऐप्स ने फिर से आंशिक रूप से काम करना शुरू कर दिया है।

व्यवधान के लिए खेद: जुकरबर्ग

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के ष्टश्वह्र मार्क जुकरबर्ग ने कहा है कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप और मैसेंजर फिर से शुरू हो गए हैं। व्यवधान के लिए खेद। मुझे मालूम है जिन लोगों की आप केयर करते हैं, उनसे जुड़े रहने के लिए आपको हमारी सर्विसेज पर कितना भरोसा है।

सोने की मांग बढ़ी

सितंबर महीने में सोने का आयात साढ़े 6 गुना बढ़ा, प्री-कोविड लेवल से भी 250% ज्यादा

नई दिल्ली। त्योहारों के बीच देश में सोने की मांग पटरी पर लौट आई है। बीते महीने यानी सितंबर में 91 टन सोने का आयात हुआ। यह सितंबर 2020 के मुकाबले 658त्न और कोविड महामारी शुरू होने से पहले यानी सितंबर 2019 के मुकाबले 250% ज्यादा है।

पिछले साल के मुकाबले सोने की कीमतों में 20त्न कमी और इस साल त्योहारों में बेहतर मांग की संभावना ने सोना आयात बढ़ा दिया है। पिछले साल सितंबर में सिर्फ 12 टन सोने का आयात हुआ था। सितंबर 2019 में भी केवल 26 टन सोने का आयात हुआ था। तब कीमतें करीब 26त्न बढ़ गई थी, जिसके चलते मांग कमजोर हो गई थी। लेकिन इस साल सितंबर में सोने का आयात उछलकर 91 टन हो गया। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को बताया कि बीते माह 37,898 करोड़ का सोना आयात किया गया। इसके मुकाबले बीते साल सितंबर में सिर्फ 4,466 करोड़ रुपए के सोने का आयात हुआ था। इस हिसाब से बीते महीने सोना आयात 748त्न बढ़ा है।

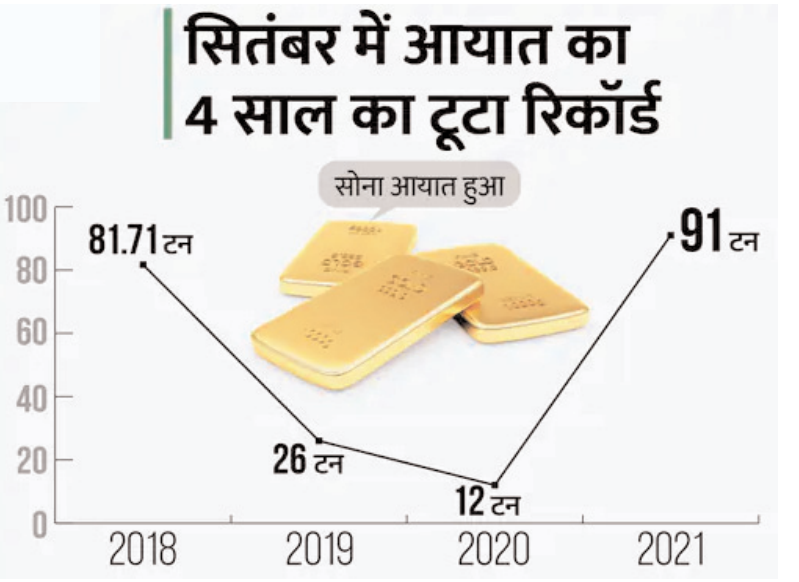

इस साल अब तक 2,750 रु. घटे भाव

सोने कीमत में इस साल अब तक करीब 2,750 रुपए प्रति 10 ग्राम की कमी आई है। जनवरी में जेवराती सोना जहां 45,250 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास था, वहीं इस माह इसकी कीमत करीब 42,500 रुपए रह गई। भाव घटने के चलते मांग को सपोर्ट मिला। इसके अलावा बड़े त्योहार सामने हैं, लिहाजा ज्वैलर्स ने आक्रामक तरीके से सोना खरीदा है।

अक्टूबर में और बढ़ सकता है आयात

सोने का आयात बढ़ने का सिलसिला अक्टूबर में भी जारी रह सकता है। इस महीने दशहरा और दिवाली जैसे त्योहार आते हैं। इस बीच कई ऐसे मौके आते हैं, जब सोना खरीदना शुभ माना जाता है। केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने कहा है कि इस माह ज्यादा सोना आयात हो सकता है। मांग जोरदार रहेगी, लिहाजा कीमतों में तेजी की भी संभावना है।

महंगाई की मार: इस महीने आज चौथी बार महंगे हुए पेट्रोल-डीजल, देश के 26 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए के पार

नई दिल्ली। भारतीय तेल कंपनियों ने आज फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया है। सरकारी तेल कंपनियों ने आज दिल्ली में डीजल के दाम में 30 और पेट्रोल के दाम में 25 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इसके बाद यहां पेट्रोल 102.70 और डीजल 91.13 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इस महीने ये चौथी बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। देश के 26 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के पार निकल गया है।

80 डॉलर के पार हुआ कच्चा तेल

ओपेक (OPEC) के सदस्य देशों की कल हुई बैठक में आशा के अनुरूप परिणाम नहीं आया। उम्मीद थी कि जिस तरह से कच्चे तेल की मांग बढ़ रही है, उसी तरह से इसका उत्पादन भी बढ़ेगा। लेकिन ओपेक ने उत्पादन में रोज सिर्फ चार लाख बैरल की ही बढ़ोतरी का फैसला किया है। इस वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में बाजार का कच्चे तेल की कीमतें करीब ढ़ाई फीसदी चढ़ गई। कारोबार की समाप्ति के अवसर पर ब्रेंट क्रूड तो 81 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया। जानकारों के

अनुसार कच्चे तेल 90 डॉलर तक जा सकता है।

आने वाले दिनों में और बढ़ सकते हैं दाम

IIFL सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि कच्चे तेल की मांग बढ़ने के कारण आने वाले दिनों में ये 80 डॉलर तक जा सकता है। इससे पेट्रोल-डीजल की कीमत में 2 से 3 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

इस साल अब तक पेट्रोल 18.73 और डीजल 17.01 रुपए महंगा हुआ: इस साल 1 जनवरी को पेट्रोल 83.97 और डीजल 74.12 रुपए प्रति लीटर था। अब ये 102.70 और 91.13 रुपए प्रति लीटर पर है। यानी 9 महीने से भी कम में पेट्रोल 18.97 और डीजल 17.01 रुपए महंगा हुआ है।

26 राज्यों में पेट्रोल और 6 राज्यों में डीजल 100 के पार: देश के 26 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, नागालैंड, पोंडेचेरी, तेलंगाना, पंजाब, सिक्किम, उड़ीसा, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और राजस्थान के सभी जिलों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है। वहीं उत्तर प्रदेश, गोआ, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल और उत्तराखंड में भी कई जगहों पर पेट्रोल 100 रुपए लीटर के पार है। वहीं डीजल की बात करें तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, तेलंगाना और राजस्थान में कई जगहों पर ये अभी भी 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है।

शेयर बाजार अपडेट: बाजार में फ्लैट कारोबार,

सेंसेक्स 59300 और निफ्टी 17650 के ऊपर; रियल्टी, फार्मा शेयर्स में कमजोरी

मुंबई। हफ्ते के दूसरे दिन बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स 59320 और निफ्टी 17661 पर खुला। फिलहाल सेंसेक्स 25 पॉइंट गिरकर 59,270 पर और निफ्टी 8 पॉइंट गिरकर 17,682 पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयर्स में से 16 शेयर कमजोरी के साथ और 14 शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। जिसमें डॉ. रेड्डीज और सन फार्मा के शेयर1त्न के कमजोरी के साथ ट्रेड कर रहे हैं। वहीं भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स के शेयर में 1त्न से ज्यादा की तेजी है। रियल्टी और फार्मा शेयर्स पर दबाव देखने को मिल रहा है। ह्रस्श्व पर रियल्टी और फार्मा इंडेक्स 1त्न से ज्यादा की कमजोरी के साथ कारोबार करते दिख रहा है। वहीं बाजार को ऑटो, मेटल शेयर्स का सपोर्ट मिल रहा है। दोनों ही इंडेक्स करीब आधा पर्सेंट की तेजी के साथ ट्रेड कर रहे हैं।

शेयर बाजार के प्रमुख इंडेक्स में टॉप गेनर और लूजर शेयर्स का हाल

BSE पर 3,179 शेयर्स में कारोबार हो रहा है। जिसमें 1,925 शेयर्स बढ़त के साथ और 1,084 शेयर्स लाल निशान में कारोबार करते दिखे। इसी के साथ क्चस्श्व पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 263 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है।

गाड़ी के रजिस्ट्रेशन में कोताही न बरतें, इंश्योरेंस क्लेम हो सकता है रिजेक्ट

मुंबई। अगर आप गाड़ी लेते हैं और उसके रजिस्ट्रेशन में कोताही बरतते हैं या गलत रजिस्ट्रेशन कराते हैं तो आपको इससे नुकसान हो सकता है। अगर गाड़ी चोरी हो गई या गाड़ी का किसी वजह से नुकसान हो गया तो बीमा कंपनी आपके बीमा के दावे को रिजेक्ट कर सकती है।

सुप्रीमकोर्ट ने दिया फैसला

सुप्रीमकोर्ट ने इस तरह का एक फैसला दिया है। दरअसल एक बोलेरो कार की पंजाब में चोरी हो गई। कार का मालिक राजस्थान के गंगानगर का रहने वाला था। चोरी गई कार का 6.17 लाख रुपए का बीमा था। लेकिन उसका रजिस्ट्रेशन टेंपरेरी था जो 19 जुलाई 2011 को खत्म हो गया था।

अर्थव्यवस्था में तेज रफ्तार: भारत की रेटिंग सुधरने की उम्मीद,

इकोनॉमी की ग्रोथ कोरोना के पहले के लेवल पर पहुंची

मुंबई। भारत की अर्थव्यवस्था में जबरदस्त तेजी आ सकती है। दरअसल ऐसी उम्मीद है कि रेटिंग एजेंसिया भारत की रेटिंग इस वित्तवर्ष में बढ़ा सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इकोनॉमी के कई सारे इंडिकेटर्स अब कोरोना के पहले यानी 2019 की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल कोरोना की वजह से मूडीज ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को पिछले साल जून में

घटा दिया था। उस समय कोरोना के पहले चरण की वजह से देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर होने की आशंका थी। इसी वजह से मूडीज ने रेटिंग को क्चड्ड2 से घटाकर क्चड्ड3 कर दिया था। पिछले महीने इस इंटरनेशनल फर्म ने कहा था कि भारत में अर्थव्यवस्था की गतिविधियां तेजी पकड़ रही हैं। कोविड प्रतिबंधों के ढीले होने से अर्थव्यवस्था में सुधार दिख रहा है। वित्त मंत्रालय के अधिकारी रेटिंग एजेंसी मूडीज से 28 सितंबर को मुलाकात किए हैं।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)